



उ0प्र0 माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ

Uttar Pradesh Board Of Secondary Sanskrit Education, Lucknow

विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह ।
अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते ॥

(ईशोपनिषद मंत्र-॥)

(जो साधक विद्या (आध्यात्मिक ज्ञान) और अविद्या (भौतिक ज्ञान/कर्म) दोनों का सम्यक् ज्ञान रखता है, वह अविद्या के साधन से मृत्यु जगत को पार कर जाता है और विद्या के प्रकाश से अमृत स्वरूप मोक्ष को प्राप्त करता है।)

शैक्षिक पंचांग

2026-27

ई-मेल : upmssplucknow@gmail.com

वेबसाईट : www.upmssp.com

पता: जगत नारायण रोड, लखनऊ- 226003

मूलभूत-कर्तव्यानि

(भारतीय संविधानस्य अनुच्छेदः ५१ (क))

भारतस्य प्रत्येकं नागरिकस्य इदं कर्तव्यं भवति यत् –

(क) संविधानस्य पालनं कुर्यात्, तन्निष्ठानां श्रेष्ठमूल्यानां संस्थानां राष्ट्रध्वजस्य राष्ट्रगानस्य च आदरं कुर्यात्।

(ख) स्वतन्त्रतायै राष्ट्रव्यापिनं संघर्षं प्रेरितवन्ति श्रेष्ठमूल्यानि हृदयंगतानि कुर्यात्, तान् अनुसरेत् च।

(ग) भारतस्य प्रभुतां एकतां अखण्डतां च समर्थयेत् रक्षेत् च।

(घ) राष्ट्रस्य रक्षां कुर्यात् अपेक्षायां सत्यां राष्ट्रसेवायै तत्परः च भवेत्।

(ङ) धर्म-भाषा-प्रदेश-ज्ञाति-वैविध्यम् अपरिगण्य भारतस्य सर्वेषु जनेषु समरसतां, भ्रातृत्वभावनां च प्रसारयेत्। नारीणां सम्मानं दूषयन्तीः परंपराः तिरस्कुर्यात्।

(च) अस्माकं व्यामिश्रास्य वैभवशालिनः च सांस्कृतिकस्य निधेः महत्त्वम् अवगच्छेत् संरक्षणं च कुर्यात्।

(छ) वन-तडाग-नदी-वन्यजीव-आदि-प्राकृतिक-परिवेशस्य संरक्षणं संवर्धनं च कुर्यात्। जीवमात्रं प्रति करुणाम् आवहेत्।

(ज) वैज्ञानिकचिन्तनशैलीं, मानवीयतां, जिज्ञासायाः, सत्परिवर्तनस्य च वृत्तिं विकासयेत्।

(ञ) सार्वजनिकसम्पत्ते रक्षणं कुर्यात् हिंसां च वर्जयेत्।

(ट) सर्वविधेषु व्यक्तिगतेषु सामूहिकेषु च कार्यकलापेषु श्रेष्ठतां प्राप्तुं यतेत्, येन राष्ट्रं निरन्तरं प्रगतिपथे अग्रेसरं स्यात्।

(ठ) पितृभूतः, संरक्षकभूतः च सः स्वीयानां अपत्यानां विशेषतया येषां बालानां वयः षट्ः चतुर्दशवर्षपर्यन्तं भवति तेषां शिक्षणस्य अवसरान् कल्पयेत्।

भारत का संविधान

भाग— 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य — भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे

(ख) स्वतंत्रता के लिए, हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजो, रखे और उनका पालन करे

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए, रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्ष करे

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए, प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके, और

(ट) यदि माता—पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

शैक्षिक सत्र 2026-27

प्रदेश में संचालित संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्तापरक सुचारू व्यवस्था, शैक्षिक वातावरण का सृजन एवं विद्यालय संस्कृति के विकास हेतु शैक्षिक पंचांग का नियोजन किया गया है। इस पंचांग के प्रभावी होने से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा 2023 में दी गयी व्यवस्थाओं को लागू करने के साथ ही संस्कृत पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति में वृद्धि होगी तथा मूल्य, मानदण्ड एवं प्रवृत्तियों का सकारात्मक विकास हो सकेगा।

वार्षिक कलैण्डर

| माह | माहवार सम्पादित किये जाने वाले कार्यों का विवरण | अवधि |
|-------------|--|---|
| अप्रैल 2026 | <ul style="list-style-type: none"> सत्र प्रारम्भ होने की तिथि प्रवेश उत्सव। विद्यालय में शैक्षिक वातावरण सृजन हेतु शैक्षिक पंचांग के अनुसार विद्यालय स्तर पर चर्चा/वार्ता विद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन अम्बेडकर जयन्ती, विश्व स्वास्थ्य दिवस एवं आयुष्मान भारत दिवस आदि का आयोजन बोर्ड परीक्षा-2026 के परिणाम की घोषणा। | <p>01 अप्रैल, 2026 सम्पूर्ण माह प्रथम सप्ताह</p> <p>प्रथम सप्ताह निर्धारित दिवसों में</p> <p>द्वितीय सप्ताह</p> |
| मई 2026 | <ul style="list-style-type: none"> परीक्षार्थियों को बोर्ड परीक्षा का परीक्षाफल प्राप्त कराना। विद्यालय स्तर पर शिक्षक अभिभावक बैठकों का आयोजन/अनुश्रवण। सन्निरीक्षा के इच्छुक छात्र/छात्राओं के आवेदन पूरित कर परिषद कार्यालय को भेजना। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा हेतु केन्द्रों का निर्धारण एवं केन्द्रों को गोपनीय सामग्री का प्रेषण। बुद्ध पूर्णिमा, महाराणा प्रताप जयन्ती एवं मातृ दिवस का आयोजन। | <p>प्रथम सप्ताह द्वितीय सप्ताह</p> <p>तृतीय सप्ताह</p> <p>चतुर्थ सप्ताह</p> <p>निर्धारित दिवसों में।</p> |
| जून 2026 | <ul style="list-style-type: none"> बोर्ड सन्निरीक्षा आवेदन पत्रों का परिषद स्तर पर संकलन संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में पौरोहित्य, ज्योतिष, योग विज्ञान, वास्तुशास्त्र में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का आयोजन। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का मूल्यांकन कार्य। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम घोषित करना। विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व रक्तदान दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन एवं अनुश्रवण | <p>प्रथम/द्वितीय सप्ताह द्वितीय सप्ताह</p> <p>तृतीय सप्ताह</p> <p>चतुर्थ सप्ताह</p> <p>निर्धारित दिवसों में।</p> |
| जुलाई 2026 | <ul style="list-style-type: none"> डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश उत्सव। द्वितीय प्रवेश उत्सव (कक्षा-प्रथमा से उत्तर मध्यमा) बोर्ड परीक्षा-2026 के सन्निरीक्षा का कार्य एकेडमिक कलैण्डर पर चर्चा एवं शैक्षिक सत्र हेतु पठन-पाठन की रणनीति तय करना। | <p>सम्पूर्ण माह 15 जुलाई, 2026 तृतीय सप्ताह जुलाई के प्रथम सप्ताह में।</p> |

| | | |
|--------------|---|---|
| | <ul style="list-style-type: none"> विश्व प्राकृतिक संरक्षण दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस पर व्याख्यान। पूर्व मध्यमा स्तर पर प्रथम तिमाही की सतत् व्यापक मूल्यांकन/प्रोजेक्ट कार्य | निर्धारित दिवसों में। चतुर्थ सप्ताह |
| अगस्त 2026 | <ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2023 के सम्बन्ध में शिक्षकों को जागरूक करना। पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा एवं डिप्लोमा की परीक्षाओं हेतु पंजीकरण एवं परीक्षा शुल्क जमा करना। श्रावणी उपाकर्म/संस्कृत सप्ताह का आयोजन। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, स्वतंत्रता दिवस, संस्कृत दिवस के आयोजन पर प्रतियोगिता। | प्रथम सप्ताह द्वितीय सप्ताह 22 अगस्त से 28 अगस्त 2026 निर्धारित दिवसों में |
| सितम्बर 2026 | <ul style="list-style-type: none"> आवेदन पत्र पूर्ण करना। त्रैमासिक परीक्षा। शिक्षक दिवस, विश्व साक्षरता दिवस एवं हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन। त्रैमासिक परीक्षा परिणाम से छात्रों एवं अभिभावकों को अवगत कराना। | सम्पूर्ण माह द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह निर्धारित दिवसों में सितम्बर मासान्त में। |
| अक्टूबर 2026 | <ul style="list-style-type: none"> आवेदन पत्रों में त्रुटि सुधार। परीक्षा आवेदन पत्र, नामावली एवं संख्या सूचक कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक में जमा कराना। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से संकलित संख्या सूचक चक्र के साथ आवेदन पत्रादि परिषद कार्यालय में जमा कराना। गांधी जायन्ती, शास्त्री जयन्ती, महर्षि बाल्मीकि जयन्ती का आयोजन। बोर्ड परीक्षा-2027 हेतु परीक्षा केन्द्र निर्धारण हेतु नीति तय करना। पूर्व मध्यमा स्तर पर द्वितीय तिमाही की सतत् व्यापक मूल्यांकन/प्रोजेक्ट कार्य एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन एवं दूसरी भाषाओं में बातचीत करना सिखाना। | प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह तृतीय सप्ताह चतुर्थ सप्ताह निर्धारित दिवसों में चतुर्थ सप्ताह चतुर्थ सप्ताह |
| नवम्बर 2026 | <ul style="list-style-type: none"> परीक्षा आवेदन पत्रों का परीक्षण नामावली/संख्या सूचक में परिलक्षित त्रुटियों के सुधार हेतु विद्यालय को नामावली का प्रेषण डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं नवीन संस्थाओं को मान्यता प्रदान करना। अर्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन एवं मूल्यांकन, अंको को वेबसाइट पर अपलोड करना। बाल दिवस एवं गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस का आयोजन अर्धवार्षिक परीक्षा का परिणाम छात्रों को वितरित करना | सम्पूर्ण माह अन्तिम सप्ताह तृतीय सप्ताह द्वितीय सप्ताह निर्धारित दिवसों में चतुर्थ सप्ताह |
| दिसम्बर 2026 | <ul style="list-style-type: none"> निर्वाचन साक्षरता क्लब को सक्रिय कराकर गतिविधियों का आयोजन कराना। संशोधित नामावली सुधार हेतु परिषद को प्राप्त कराना | समय-सारिणी के अनुसार प्रथम सप्ताह प्रथम सप्ताह |

| | | |
|------------|---|--|
| | <ul style="list-style-type: none"> • प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन एवं उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं परीक्षाफल तैयार कराना। • शिक्षक अभिभावक संघ की द्वितीय बैठक। • मानवाधिकार दिवस, विश्व उर्जा संरक्षण दिवस एवं राष्ट्रीय गणित दिवस पर विभिन्न आयोजन। | तृतीय सप्ताह निर्धारित दिवसों में |
| जनवरी 2027 | <ul style="list-style-type: none"> • डिप्लोमा पाठ्यक्रम द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश एवं पठन-पाठन का शुभारम्भ। • निर्धारित पाठ्यक्रम को पूर्ण कराना तथा तदनुसार अभ्यास कार्य कराया जाना। • वार्षिक परीक्षा से पूर्व विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित न कराया जाय। • परीक्षा वर्ष 2027 हेतु परीक्षा केन्द्रों, मूल्यांकन केन्द्रों, संकलन केन्द्रों को अन्तिम रूप दिया जाना। • प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन। • विश्व हिन्दी दिवस, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती, राष्ट्रीय मतदाता दिवस, उत्तर प्रदेश दिवस एवं गणतंत्र दिवस का आयोजन। • पूर्व मध्यमा स्तर पर तृतीय तिमाही की सतत् व्यापक मूल्यांकन/प्रोजेक्ट कार्य की परीक्षा तथा तीनों परीक्षाओं के अंक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना। | 01 जनवरी 2027 द्वितीय सप्ताह चतुर्थ सप्ताह 15 जनवरी से 25 जनवरी निर्धारित दिवसों में। 15 जनवरी, 2027 |
| फरवरी 2027 | <ul style="list-style-type: none"> • परीक्षा प्रयोगार्थ उत्तर पुस्तिकाएं/गोपनीय सामग्री आदि प्रदेश के जनपदों में आपूर्ति। • प्रवेश पत्र डॉउनलोड करने की तिथि • विद्यालय/केन्द्र प्रयोगार्थ नमावली/फोटोयुक्त उपस्थिति पत्रक परिषद कार्यालय से प्राप्त कराना। • बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन | द्वितीय सप्ताह 01 से 10 फरवरी द्वितीय सप्ताह तृतीय सप्ताह |
| मार्च 2027 | <ul style="list-style-type: none"> • विद्यालय स्तर पर वार्षिक गृह परीक्षा का आयोजन • गृह परीक्षा का परीक्षाफल वितरण। • संस्कृत बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन कार्य। | 1 से 10 मार्च 31 मार्च 2027 प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह |

गुणवत्ता संवर्धन हेतु नियोजन

- शैक्षिक सत्र 2026-27 दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक रहेगा।
- प्रत्येक विद्यालय में छात्र/छात्राओं का प्रवेश एक उत्सव के रूप में मनाया जाएगा, जिसका पहला चरण 01 अप्रैल से 30 अप्रैल एवं दूसरा चरण 01 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक सम्पन्न होगा।
- सघन अभियान चलाकर प्रत्येक विद्यालय में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक कक्षा में मानक के अनुरूप छात्र छात्राओं का प्रवेश अवश्य हो जाए। इस अभियान में विद्यालय का स्टाफ अभिभावकों से संपर्क एवं उनके साथ गोष्ठी आदि का आयोजन करेगा। इस अभिप्रेरण एवं प्रवेश अभियान का

नेतृत्व एवं अनुश्रवण मण्डल के उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं द्वारा किया जाएगा।

- विद्यालय में प्रत्येक दिवस पठन-पाठन प्रारंभ करने के पूर्व 20 मिनट प्रार्थना सभा के लिए निर्धारित रहेंगे, जिसमें ईश वंदना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, योगासन के साथ ही "आज का सुविचार" शीर्षक के अंतर्गत प्रेरणादायी विचारों की प्रस्तुति होगी। इस सभा में विचारों की प्रस्तुति के लिए छात्र छात्राओं को भी प्रेरित किया जाएगा। भारत सरकार के शासनादेश संख्या-फं0सं0-14/2/2025-पब्लिक भारत सरकार गृह मंत्रालय के पब्लिक अनुभाग, कर्तव्य भवन-3, नई दिल्ली दिनांक 28.01.2026 के अनुक्रम में राष्ट्रगीत के सभी छन्दों का गायन पहले होगा। राष्ट्रगान का गायन प्रार्थना सभा के अन्त में होगा। राष्ट्रगान का गायन 52 सेकेण्ड में और राष्ट्रगीत, वन्देमातरम का गायन 03 मिनट 10 सेकेण्ड में किया जाएगा।
- "आज का सुविचार" प्रभावी बनाने हेतु एक पंजिका में प्रतिदिन प्रस्तुतकर्ता का नाम एवं प्रस्तुत विषय वस्तु का सारांश अंकित किया जाएगा तथा माह के अंतिम दिवस प्रार्थना स्थल पर प्रथम स्थान पाने वाले विचार के प्रस्तुतकर्ता को पुरस्कृत किया जाएगा।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत भाषा संगम हेतु संविधान में वर्णित भाषाओं में एक दूसरे से परिचय का अभ्यास कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थी अपनी मातृभाषा के साथ ही अन्य भाषाओं में भी ज्ञानार्जन कर सकेंगे। विद्यालय में होने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुति में भी दूसरी भाषा के कार्यक्रमों को स्थान दिया जाएगा।
- विद्यालय की समय-सारिणी आठ कालांश में विभाजित की जाएगी। प्रत्येक कालांश ग्रीष्मकाल में 35 मिनट तथा शीतकाल में 40 मिनट एवं मध्यावकाश 25 मिनट का होगा। यह समय-सारिणी प्रत्येक कक्षा में एवं विद्यालय के सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी।
- विद्यालय की समय-सारिणी में प्रत्येक कक्षा के लिए पुस्तकालय सुविधा का उपयोग करने हेतु व्यवस्था दी जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक विद्यार्थी सप्ताह में कम से कम एक दिन पुस्तकालय का उपयोग अवश्य करें। विद्यार्थी द्वारा पढ़ी गई पुस्तक की विषय वस्तु पर चर्चा प्रार्थना सभा में करने का अवसर दिया जाएगा।
- शैक्षिक गुणवत्ता एवं शिक्षा मनोविज्ञान की दृष्टि से कठिन विषय का कालांश पहले और सरल विषय का बाद में रखा जाएगा। परंपरागत विषयों का शिक्षण पूर्वाह्न में तथा आधुनिक विषयों का शिक्षण अपराह्न में रखा जाना उपयोगी रहेगा।
- शिक्षण अधिगम विधा में आमने सामने बैठकर पठन-पाठन के साथ ही अन्य विधाओं यथा दूरदर्शन प्रसारण, आडियो विडियो एवं ऑनलाइन शिक्षण तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा।
- विभिन्न सरकारी एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी के लिए समय-समय पर अनुभवी लोगों के व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय कामगारों से संदर्भ सेवाएं ली जाएंगी जिससे कि रोजगार संबंधी कौशल संवर्धन में सहायता मिलेगी। स्थानीय कुटीर उद्योग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया जाएगा।

करियर गाइडेंस पोर्टल—पंख पर पूर्व मध्यमा एवं उत्तर मध्यमा अभ्यर्थियों का पंजीकरण कराया जायेगा।

- विद्यार्थियों में स्क्रीन टाइम कम करने तथा समाचार पत्र पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के लिये प्रत्येक दिन प्रार्थना सभा में समाचार पत्र के मुख्य समाचारों को विद्यार्थियों से पढ़वाया जाए। समाचार में प्रयुक्त कुछ कठिन शब्दों का उच्चारण एवं अर्थ सहित वाक्य प्रयोग भी बताया जाएगा।
- निरोगी काया के लिए उपयोगी चिकित्सा एवं योग तथा परामर्श संबंधी सेवाओं से छात्र छात्राओं को लाभान्वित कराया जाएगा।
- छात्र छात्राओं के समग्र विकास के लिए उनमें निहित क्षमताओं की पहचान कर सीखने की प्रक्रिया को आनंददाई बनाया जाएगा। विद्यालय में प्रति सप्ताह एक दिन इस हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालय के सभी शिक्षक अलग अलग क्षेत्रों में छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन करेंगे।
- प्रत्येक विद्यालय में पर्यावरण क्लब, निर्वाचन साक्षरता क्लब, स्काउट गाइड आदि की सहायता से सम-सामयिक महत्व के विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालय के सभी विद्यार्थी किसी न किसी कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। निर्वाचन साक्षरता के लिए विषय वस्तु, निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर प्रत्येक कक्षा के अनुरूप उपलब्ध है, वहाँ से ली जा सकती है।
- छात्र छात्राओं में सृजनात्मक कौशल एवं वैज्ञानिक अभिवृत्ति और अभिरुचि विकसित करने के लिए सप्ताह में एक दिन प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी जिसमें खेलकूद, वाद-विवाद, व्याख्यान, निबंध लेखन, भित्ति चित्र बनाना, नाटक मंचन आदि सम्मिलित होंगे।
- संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सभी शिक्षक एक दैनंदिनी बनाएंगे जिसमें उनके द्वारा शिक्षण का नियोजन एवं अनुभूत कठिनाइयों का विवरण तथा समाधान अंकित किया जाएगा। यह दैनंदिनी विद्यालय आने वाले उच्चाधिकारी को दिखाई जाएगी। निरीक्षण करने वाले अधिकारी के सुझाव भी यथा स्थान अंकित करके उनका अनुपालन किया जाएगा।
- प्रत्येक माह में अंतिम कार्य दिवस के अंतिम वादन में प्रधानाचार्य द्वारा इन-हाउस बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सम्पूर्ण माह में सम्पन्न कार्यों की समीक्षा एवं आगामी माह के कार्यों का नियोजन किया जाएगा। इस बैठक में प्रत्येक कक्षा के मेधावी छात्र प्रतिनिधि भी सम्मिलित रहेंगे।
- विद्यालय में राष्ट्रीय पर्व एवं महापुरुषों के जन्म दिवस/जयंती मनाए जाएंगे जिसमें प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख होंगे। यथा 21 जून को योग दिवस, 21 अगस्त को वरिष्ठ नागरिक दिवस, 14 नवंबर बाल दिवस, 03 दिसंबर को दिव्या दिवस, 23 दिसंबर को गणितज्ञ रामानुज का जन्म दिवस, 24 जनवरी उत्तर प्रदेश दिवस एवं 25 जनवरी मतदाता दिवस आदि।
- डिजिटल साक्षरता एवं साइबर क्राइम के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी के लिए एक्सपर्ट व्यक्तियों की वार्ता कराई जाएगी तथा साइबर क्राइम से बचने के लिए किए जाने वाले विभिन्न उपायों पर विस्तार से ज्ञानार्जन कराया जाएगा।
- सीखने की प्रक्रिया में देखभाल का महत्वपूर्ण स्थान है। विषय वस्तु, शिक्षण अधिगम योजना एवं प्रक्रिया के रूप में यह परिलक्षित होती है। राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 में एक अच्छी शिक्षा व्यवस्था में इसका उल्लेख किया गया है। इसलिए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

- निरीक्षक, संस्कृत पाठशालाएं, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा निर्गत अवकाश तालिका एवं संबंधित जनपद के जिलाधिकारी द्वारा निर्गत अवकाश तालिका के अनुसार विद्यालय अवकाश का उपभोग करेंगे।
- NCERT पाठ्य पुस्तकें दीक्षा पोर्टल पर ई-बुक्स के रूप में, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ०प्र०, प्रयागराज की वेबसाइट पर लिंक के रूप में उपलब्ध हैं जहां से पुस्तकों को विद्यार्थियों द्वारा डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षण सामग्री दीक्षा पोर्टल एवं यूट्यूब पर लिंक के माध्यम से वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसकी सूचना नोटिस बोर्ड पर लगायी जाए।
- विद्यार्थियों को विभिन्न ऑनलाइन शैक्षणिक प्लेटफॉर्मस यथा – खान एकेडमी, द टीचर एप, मनोदर्पण पोर्टल एवं माई करियर एडवाइजर एप की जानकारी देते हुए इनके प्रयोग हेतु प्रेरित किया जाए।
- श्रावण मास में संस्कृत सप्ताह का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। इसका समापन रक्षा बंधन के दिन श्रावणी पर्व के रूप में होगा। वर्ष 1969 में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने रक्षा बंधन के दिन संस्कृत दिवस के आयोजन का निर्णय लिया था। संस्कृत सप्ताह के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का प्रस्तावित विवरण इस प्रकार है –

प्रथम दिवस

- माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ तथा आयोजन के महत्त्व पर चर्चा।
- संस्कृत भाषा से संबंधित साहित्य एवं विभिन्न ग्रंथों, पुस्तकों आदि सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन।
- संस्कृत भाषा में एक दूसरे का परिचय एवं अभिवादन एवं कविता पाठ।
- संस्कृत गीत (संस्कृत भाषा में कोई भी गीत) की प्रस्तुति।

द्वितीय दिवस

- संस्कृत की महत्ता पर छात्र छात्राओं की अभिव्यक्ति एवं संस्कृत भाषा में सृजनात्मक लेखन कार्य। प्रस्तावित विषय –
 - 1-भारतीय संस्कृति पर संस्कृत का प्रभाव।
 - 2-संस्कृत और संस्कार।
 - 3-जननी के रूप में संस्कृत भाषा।
 - 4-नैतिक मूल्यों के संवर्धन में संस्कृत की भूमिका।
 - 5-संस्कृत कथावाचनम प्रतियोगिता (कोई भी मौलिक कथा)।

तृतीय दिवस

- संस्कृत संभाषण (संस्कृत जीवन मूल्यनाम विज्ञानस्य प्रचारह प्रसारस्य)।
- संस्कृत श्लोकों एवं ऋचाओं का सस्वर वाचन तथा हिन्दी में उनका भावार्थ स्पष्ट करना।
- संस्कृत भाषा में नाटकों का मंचन।

चतुर्थ दिवस

- संस्कृत के विशेषज्ञों एवं सेवानिवृत्त/वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान तथा उनके साथ संस्कृत भाषा अध्ययन का व्यावहारिक जीवन में महत्व विषय पर परिचर्चा।
- संस्कृत में काव्य रचना, विशेषकर छोटी कविताओं की रचना करना सीखना एक कार्यशाला/प्रतियोगिता के रूप में।
- "भारत का संविधान" में वर्णित मूल कर्तव्यों के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक करना।

पंचम दिवस

- कालिदास, पाणिनी, महर्षि वेदव्यास, बाल्मीकि, आदि संस्कृत की महान विभूतियों की कृतियों के महत्त्वपूर्ण अंशों पर व्याख्यान।
- हिन्दी की छोटी छोटी कहानियों का संस्कृत में अनुवाद करने की प्रतियोगिता
- पुराणेतिहास विषय की विषय वस्तु का मोटीवेशनल प्रवचन में उपयोग करने की प्रतियोगिता।

षष्ठ दिवस

- वेद, उपनिषद, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक आदि के संदर्भों पर विद्वानों के विचार आमंत्रण।
- सम-सामयिक विषयों, यथा संस्कृत एवं विज्ञान का संबंध, पर्यावरण, स्थानीय त्योहार एवं मेले आदि, पर संस्कृत भाषा में संगोष्ठी का आयोजन।
- सुभाषित कण्ठ पाठ स्पर्धा (कोई भी संस्कृत सुभाषित एवं उसके भावार्थ का प्रस्तुतीकरण)।

सप्तम दिवस

- संस्कृत सप्ताह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियों पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण
- ग्राम एवं नगर के सम्मानित नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों तथा संस्कृत विद्वानों को आमंत्रित कर संस्कृत सप्ताह का समापन।
- स्थानीय स्तर पर रैली का आयोजन। संस्कृत भाषा में लिखे नारे एवं स्लोगन का उच्च स्वर में वाचन।
- संस्कृत भाषाविद् पाणिनि ने अष्टाध्यायी (आठ अध्याय) नामक एक व्याकरण मार्गदर्शिका लिखी। वह बोली जाने वाली संस्कृत को समझने में दुनिया के लिए एक पथ प्रदर्शक थे। उनके योगदान पर विचारों की प्रस्तुति।

विद्यालय संस्कृति एवं प्रथाएं –

स्कूल संस्कृति और विभिन्न प्रक्रियाएं का छात्रों के सीखने पर प्रत्यक्ष और महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए इन्हें व्यवस्थित और सावधानीपूर्वक पोषित और आकार दिया जाना चाहिए। स्कूल संस्कृति दो महत्वपूर्ण तरीकों से सीखने को प्रभावित करती है। सबसे पहले, यह सभी छात्रों के लिए एक प्रभावी सीखने के माहौल को सक्षम बनाता है। दूसरा, मूल्यों, मनोवृत्तियों और व्यवहार के विकास पर इसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

स्कूल संस्कृति के दो पहलू हैं। पहला पहलू मूल्य, मानदंड और विश्वास है –जो स्कूल संस्कृति का निर्माण करते हैं, और दूसरा पहलू व्यवहार, रिश्ते और प्रथाएं हैं –जिसमें संस्कृति प्रकट और अनुभव होती है। संस्कृति और इसकी अभिव्यक्ति बनाने वाले तत्व गहराई से एकीकृत हैं। छात्र अभिव्यक्तियों से सीखते हैं और उनसे प्रभावित होते हैं।

इन अभिव्यक्तियों को तीन श्रेणियों में देखा जा सकता है—स्कूल में लोगों के बीच संबंध, प्रदर्शित प्रतीक और मनाए जाने वाले उत्सव, तथा स्कूल की व्यवस्था एवं प्रथाएं। एक सक्षम सीखने के माहौल को विकसित करने और उनको व्यवस्थित करने के प्रयास को छात्रों के बीच वांछनीय मूल्यों और प्रवृत्तियों के विकास के लिए इन अभिव्यक्तियों को आकार देना चाहिए।

शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, स्कूल संस्कृति के घटक तत्वों में कुछ विशेषताएं होनी चाहिए।

- रिश्तों में आपसी विश्वास होना चाहिए एवं खुलेपन, संचार और सहयोग के साथ-साथ देखभाल, जिम्मेदारी के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए।
- प्रतीकों में वांछित मूल्यों और प्रवृत्तियों को सोच-समझकर उजागर करना चाहिए और उनका जश्न मनाना चाहिए।
- स्कूल की व्यवस्था और प्रथाओं को इन वांछित मूल्यों को प्रकट करना चाहिए, जिसमें कक्षा-कक्ष की प्रथाएं, स्कूल असेंबली, भोजन की व्यवस्था, कार्य का वितरण, खेल गतिविधियाँ, अभिभावक और समुदाय के साथ जुड़ाव शामिल है।
- ईमानदारी/सम्मान/दयालुता/उत्तरदायित्वतता/सहानुभूति, मूल्य, ज्ञान, सिद्धान्त, आदर्श एवं नीति।
- जिज्ञासा, सहयोग करने की भावना, धैर्य, खुले विचारों वाला, लचीलापन।

स्कूल प्रक्रियाओं में दो बातें सुनिश्चित करनी चाहिए – दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का सुचारु संचालन और पाठ्यचर्या लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रगति को सक्षम बनाना। स्कूल प्रक्रियाओं को मोटे तौर पर निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है—

1-पाठ्यचर्या प्रक्रियाएं, जिसमें स्कूल की समय सारिणी, विद्यालय प्रार्थना सभा, पुस्तकालय-वाचनालय, छात्र समितियां, व मंच, कार्यक्रम और समारोह शामिल हैं।

2-पाठ्यक्रम से जुड़ी प्रक्रियाएं, जिनमें शिक्षक सहयोग और व्यावसायिक विकास से संबंधित गतिविधियाँ शामिल हैं।

3-संगठनात्मक प्रक्रियाएं, जिसमें स्कूल विकास योजनाएं, समय और संसाधन आवंटन, छात्र सुरक्षा, मतभेदों व अनुशासनात्मक मुद्दों को हल करना, डेटा प्रबंधन और रिपोर्टिंग शामिल हैं। मूल्य और प्रवृत्तियाँ छात्रों को अवगत कराना कि उन्हें किन मूल्यों को विकसित करना चाहिए या बनाए रखना चाहिए।

4- कक्षा-6, 7 एवं 8 में लर्निंग बाय ड्रूइंग की गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। सोमवार, मंगलवार को कक्षा-6, बुध एवं बृहस्पतिवार को कक्षा-7, शुक्रवार एवं शनिवार को कक्षा-8 की समय-सारिणी के अन्तिम दो वादन इस कार्य के लिए रखे जाएंगे।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार विद्यालय की संस्कृति को विकसित किया जाये।

5- छात्र/छात्राओं को संस्कृत भाषा में परस्पर संवाद हेतु प्रेरित किया जाए, साथ ही संस्कृत भाषा में निर्मित चलचित्र यथा-आदि शंकराचार्य, अनुरक्ति, सूर्यकांत, ईष्टि, पुण्यकोटि, प्रतिकृति, शाकुन्तलम् आदि चलचित्रों का प्रदर्शन किया जाए, जिससे छात्र/छात्राओं के वार्तालाप को साझा किया जाए।

विशेष

1- हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम में संस्कृत का अंश सभी कक्षाओं में हटा दिया गया है। हिन्दी विषय के प्रश्न पत्र में संस्कृत भाषा में सम्बन्धित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

2- कक्षा-6 प्रथमा (प्रथम) में सहायक पुस्तक के रूप में “महान व्यक्तित्व” पुस्तक के साथ ही एस0सी0ई0आर0टी0 “बाल राम कथा” पढ़ाई जाएगी।

3- कक्षा-7 में सहायक पुस्तक “भारत की महान विभूतियों” के साथ एन0सी0ई0आर0टी0 की “बाल महाभारत कथा” भी पढ़ाई जाएगी।

4- कक्षा-9 में एकांकी “लक्ष्मी का स्वागत” लेखक- उपेन्द्र नाथ अशक, कक्षा-10 में खण्ड काव्य के अर्न्तगत “मातृ भूमि के लिए” प्रकाशक आधुनिक प्रकाशन गृह, प्रयागराज, कक्षा-11 में नाटक के अर्न्तगत

“राज मुकुट” पुस्तक लेखक श्री व्यथित पढ़ाई जायेंगी। कक्षा-12 में खण्ड काव्य के अन्तर्गत “श्रवण कुमार” पुस्तक लेखक श्री शिव बालक शुक्ल पढ़ाई जाएगी।

विषय ग्रुप

| पूर्व मध्यमा | उत्तर मध्यमा |
|--|---|
| प्रथम प्रश्न पत्र—(अनिवार्य) अनिवार्य संस्कृत | प्रथम प्रश्न पत्र—(अनिवार्य) अनिवार्य संस्कृत |
| द्वितीय प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. ऋग्वेद, 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद, 4. सामवेद 5. अथर्ववेद, 6. प्राचीन व्याकरण 7. नव्य व्याकरण 8. साहित्य 9. दर्शन 10. न्याय शास्त्र 11. थेरवाद एवं बौद्ध दर्शन 12. ज्योतिष 13. जैनदर्शन 14. पुराणेतिहास 15. प्राकृत एवं जैनागम 16. आयुर्वेद | द्वितीय प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. ऋग्वेद, 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद, 4. सामवेद 5. अथर्ववेद, 6. प्राचीन व्याकरण 7. नव्य व्याकरण 8. साहित्य 9. दर्शन 10. न्याय शास्त्र 11. थेरवाद एवं बौद्ध दर्शन 12. ज्योतिष 13. जैनदर्शन 14. पुराणेतिहास 15. प्राकृत एवं जैनागम 16. आयुर्वेद, 17- प्राच्य विज्ञान, 18- प्राच्य वाणिज्य । |
| तृतीय प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. हिन्दी 2. नेपाली 3. पालि 4. प्राकृत | तृतीय प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. हिन्दी 2. नेपाली 3. पालि 4. प्राकृत |
| चतुर्थ प्रश्न पत्र—(अनिवार्य) सामाजिक विज्ञान | चतुर्थ प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. समाज शास्त्र 2. राजनीति विज्ञान 3. गृह विज्ञान 4. पौरोहित्य 5. गणित |
| पंचम प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. विज्ञान 2. वाणिज्य 3. पौरोहित्य | पंचम प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. अर्थशास्त्र 2. शिक्षा शास्त्र 3. इतिहास 4. भूगोल 5. कम्प्यूटर विज्ञान 6. इतिहास पुराण एवं संस्कृति |
| षष्ठम् प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. गणित 2. गृह विज्ञान 3. इतिहास पुराण एवं संस्कृति 4. कम्प्यूटर विज्ञान | षष्ठम् प्रश्न पत्र—(कोई एक) 1. तुलनात्मक दर्शन 2. चित्रकला 3. वाद्य संगीत(सितार) 4. वाद्य संगीत(तबला) 5. कण्ठ संगीत 6. अंग्रेजी 7. योग |
| सप्तम प्रश्न पत्र (कोई एक) 1. चित्रकला 2. तुलनात्मक दर्शन 3. कण्ठ संगीत 4. वाद्य संगीत (तबला) 5. वाद्य संगीत (सितार) 6. अंग्रेजी 7. योग | उत्तर मध्यमा (विज्ञान वर्ग) 1. अनिवार्य संस्कृत 2. हिन्दी / नेपाली / पालि / प्राकृत 3. भौतिक विज्ञान 4. रसायन विज्ञान 5. जीव विज्ञान / गणित 6. कम्प्यूटर विज्ञान / अंग्रेजी उत्तर मध्यमा (वाणिज्य वर्ग) 1. अनिवार्य संस्कृत 2. प्राच्य वाणिज्य 3. हिन्दी / नेपाली / पालि / प्राकृत 4. व्यवसाय अध्ययन 5. लेखाशास्त्र 6. गणित / अर्थशास्त्र 7. कम्प्यूटर विज्ञान / अंग्रेजी |

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तत्रापि काव्यं मधुरं तस्मादपि सुभाषितम् ॥

(सभी भाषाओं में सबसे मुख्य, मधुर और दिव्य देवभाषा 'संस्कृत' है।
उसमें भी काव्य और काव्य में भी सबसे मधुर सुभाषित वचन होते हैं।)

संस्कृति: संस्कृताश्रिता

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद्
लखनऊ

पाठ्यक्रम

प्रथमा प्रथम खण्ड: (कक्षा-6)

प्रथमा द्वितीय खण्ड: (कक्षा-7)

प्रथमा तृतीय खण्ड: (कक्षा-8)

पूर्व मध्यमा प्रथम खण्ड: (कक्षा-9)

पूर्व मध्यमा द्वितीय खण्ड: (कक्षा-10)

उत्तर मध्यमा प्रथम खण्ड: (कक्षा-11)

उत्तर मध्यमा द्वितीय खण्ड: (कक्षा-12)

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद्

लखनऊ, उत्तर प्रदेश

प्रथमा परीक्षा (1-3 खण्डाः)

(कक्षा- 6,7,8)

| पत्र संख्या | विषयाः | पूर्णांकाः |
|-------------|--|--------------------------------------|
| 1. | अनिवार्य संस्कृतम् (माध्यमिक-संस्कृत-शिक्षा-परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 2. | संस्कृत शास्त्रम् (माध्यमिक-संस्कृत-शिक्षा-परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 3. | हिन्दी (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 4. | आंग्लभाषा (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 5. | गणितम् (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 6. | विज्ञानम् (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 7. | सामाजिक-विषयः (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र.) | 100 |
| 8. | वैकल्पिक-विषयः वेदः/ज्यौतिषम्/संगीतम्(गायनम्/वादनम्)/गृहविज्ञानम् | 100 |
| 9. | शारीरिकी शिक्षा (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| 10. | चित्रकला एवं कम्प्यूटरविज्ञानम् (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| 11. | पाठ्यक्रमातिरिक्ताः गतिविधयः | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |

पाठ्यक्रमः
(प्रतिखण्डं पूर्णांकाः - 800)

प्रथमा प्रथमवर्षः

अनिवार्यं संस्कृतम्

100

1. अष्टाध्यायी (1-2 अध्यायौ) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
अथवा
लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञाप्रकरणम्)
2. रघुवंशम्- प्रथमः सर्गः (1-30 श्लोकाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
अथवा
भर्तृहरिनीतिशतकम्- (1-30 श्लोकाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्

3. वर्तिका (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र., कक्षा-6)
अथवा

व्याकरणभास्करः (संज्ञाप्रकरणम्)

4. तर्कसंग्रहः - मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
अथवा

अमरकोशः (स्वर्गः 1-22 श्लोकाः) - मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्

| | | |
|----------------|------------------------------|-----|
| हिन्दी | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| आंग्लभाषा | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| गणितम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| विज्ञानम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| सामाजिक-विषयः | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| वैकल्पिक-विषयः | संस्कृत शास्त्रम् | 100 |

क) वेदः-

- 1- सन्ध्या (आह्निकसूत्रावलिः)
- 2- शौचाचारः (नित्यकर्म-पूजाप्रकाश)
- 3- पुरुषसूक्तम् (सम्पूर्णम्-षोडशमन्त्राः)

ग) ज्योतिषम्-

- 1- बृहद्ब्रह्मकहडाचक्रम् अथवा ज्योतिष-प्रबोधः

घ) संगीतम्(गायनम्/वादनम्)-

- 1- संगीतशास्त्रदर्पण (शान्तिगोवर्धन भाग-1)

ड) गृहविज्ञानम्- (बेसिक शिक्षा परिषद् उ. प्र.)

(ड.)- योग विज्ञान ।

| | | |
|---------------------------------|------------------------------|--------------------------------------|
| शारीरिक शिक्षा | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| चित्रकला एवं कम्प्यूटरविज्ञानम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| पाठ्यक्रमातिरिक्ताः गतिविधयः | | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |

क) 1- सन्ध्योपासनविधिः

2- पुरुषसूक्तम्

- 3- श्रीसूक्तम् / वाक्सूक्तम्
4- श्रीमद्भगवद्गीता 1-6 अध्यायाः
अथवा

- ख) 1- सन्ध्या (आह्निकसूत्रावलिः)
2- शौचाचारः (नित्यकर्म-पूजाप्रकाश)
3- पुरुषसूक्तम्

प्रथमा- द्वितीयवर्षः

अनिवार्य संस्कृतम्

100

1. अष्टाध्यायी- (3-5 अध्यायाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
अथवा
लघुसिद्धान्तकौमुदी (पञ्चसन्धिप्रकरणम्)
2. रघुवंशम्- (प्रथमः सर्गः 31-60 श्लोकाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
अथवा
भर्तृहरिनीतिशतकम्- (31-65 श्लोकाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
3. वर्तिका (बेसिक शिक्षा परिषद्, उ. प्र. कक्षा-7)
अथवा
व्याकरणभास्करः (पंचसंधिप्रकरणम्)
4. प्रारंभिकरचनानुवादकौमुदी- (1-15 अध्यायाः)
5. तर्कसंग्रहः - मूलपाठकण्ठस्थीकरणम् (अनुमानखण्डः)
अथवा
अमरकोशः (स्वर्गः 23-47 श्लोकाः) - मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्

| | | |
|----------------------------------|------------------------------|-----|
| हिन्दी | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| आंग्लभाषा | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| गणितम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| विज्ञानम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| सामाजिक-विषयः | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| वैकल्पिक-विषयः संस्कृत शास्त्रम् | | 100 |

क) वेदः-

- 1- स्वस्तिवाचनम् (शाखानुसारम्)
2- भोजनसूक्तम् (शाखानुसारम्)
3- संकल्पसूक्तम्
4- अप्रतिस्थसूक्तम् (रुद्राष्टाध्याय्याः तृतीयोऽध्यायः)

ख) ज्योतिषम्-

- 1- बृहद्ब्रह्महडाचक्रम् अथवा ज्योतिष-प्रबोधः

ग) संगीतम् (गायनम्/वादनम्- तबला / सितार)-

- 1- संगीतशास्त्रदर्पण (शान्तिगोवर्धन भाग-1)

घ) गृहविज्ञानम्- (बेसिक शिक्षा परिषद् उ. प्र.)

(ड.)- योग विज्ञान।

शारीरिक शिक्षा

(बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.)

GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्)

- क) 1- स्वस्तिवाचनम्
 2- विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् / पृथिवीसूक्तम् (15 मन्त्राः)
 3- शान्तिसूक्तम् / शान्तिकरणम्
 4- श्रीमद्भगवद्गीता 7-12 अध्यायाः
 अथवा
 ख) 1- स्वस्तिवाचनम् (शाखानुसारम्)
 2- भोजनसूक्तम् (शाखानुसारम्)
 3- संकल्पसूक्तम्
 4- अप्रतिस्थसूक्तम् (रुद्राष्टाध्याय्याः तृतीयोऽध्यायः)

प्रथमा- तृतीयवर्षः

अनिवार्य संस्कृतम्

100

1. अष्टाध्यायी- (6-8 अध्यायाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
 अथवा
 लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्तप्रकरणमात्रम्)
 2. रघुवंशम्- (प्रथमः सर्गः 61-95 श्लोकाः) – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
 अथवा
 भर्तृहरिनीतिशतकम्- (66-100 श्लोकाः) - मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्
 3. वर्तिका (बेसिक शिक्षा परिषद्) उ. प्र.- कक्षा-8
 अथवा
 व्याकरणभास्करः (अजन्तप्रकरणपर्यन्तम्)
 4. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी- (16-30 अभ्यासाः)
 5. तर्कसंग्रहः – मूलपाठकण्ठस्थीकरणम् (उपमानतः समाप्तिपर्यन्तम्)
 अथवा
 अमरकोशः (स्वर्गः 48-71 श्लोकाः) - मूलपाठकण्ठस्थीकरणम्

| | | |
|------------------------------------|------------------------------|-----|
| हिन्दी | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| आंग्लभाषा | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| गणितम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| विज्ञानम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| सामाजिक-विषयः | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | 100 |
| वैकल्पिक-विषयः (संस्कृत शास्त्रम्) | | 100 |

- क) वेदः-
 1- रुद्राष्टाध्यायी (सम्पूर्ण)
 2- बलिवैश्वदेवः
 3- ब्रह्मकर्म
 ख) ज्योतिषम्-
 1- बृहद्ब्रह्मकण्डाचक्रम् अथवा ज्योतिष-प्रबोधः
 ग) संगीतम्(गायनम्/वादनम्- (तबला /सितार)

- 1- संगीतशास्त्रदर्पण (शान्तिगोवर्धन, भाग-1)
घ) गृहविज्ञानम्- (बेसिक शिक्षा परिषद् उ. प्र.)

(ड.)- योग विज्ञान ।

| | | |
|--|------------------------------|--------------------------------------|
| शारीरिक शिक्षा | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| चित्रकला एवं कम्प्यूटरविज्ञानम् | (बेसिक शिक्षा परिषद् उ.प्र.) | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| पाठ्यक्रमातिरिक्ता: गतिविधयः | | GRADING (विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्) |
| क) 1- गणपति-अथर्वशीर्षम् / स्वराज्यसूक्तम् (ऋग्वेदः) | | |
| 2- रुद्राष्टाध्यायी (सम्पूर्णा) | | |
| 3- देवयज्ञविधिः | | |
| 4- श्रीमद्भगवद्गीता (13-18 अध्यायाः) | | |
| अथवा | | |
| ख) 1- रुद्राष्टाध्यायी (सम्पूर्णा) | | |
| 2- बलिवैश्वदेवः | | |
| 3- ब्रह्मकर्म | | |

पूर्वमध्यमा- प्रथम

| | |
|---|---------------|
| 1- अनिवार्यसंस्कृतम् | पूर्णांकाः-70 |
| (i) खण्ड-क | |
| क) नीतिसंग्रहः (मित्रलाभः) | 10 |
| ख) रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयसर्गस्य 1-25 श्लोकपर्यन्तम्) | 10 |
| ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्- अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, भुजङ्गप्रयातम्, वसन्ततिलका, शालिनी, स्रग्विणी | 15 |
| (ii) खण्ड-ख | |
| घ) रचनानुवादकौमुदी (1-15 अभ्यासाः) | 10 |
| संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि | |
| ड.) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (आदितः अव्ययप्रकरणान्तम्) | 25 |
| अथवा | |
| लघुसिद्धान्तकौमुदी (हलन्तप्रकरणतः अव्ययप्रकरणपर्यन्तम्) | |
| (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) | |
| अथवा | |
| तर्कसंग्रहः सपदकृत्यम् (प्रत्यक्षतः अनुमानखण्डपर्यन्तम्) | |
| अथवा | |
| योगदर्शनम् (प्रथमपादस्य १-३२ सूत्रपर्यन्तं तथा च द्वितीयपादस्य २९-५५ सूत्रपर्यन्तम्) व्यासभाष्यमनुसृत्य | |

2- संस्कृतशास्त्रम् (अधोनिर्दिष्टेषु कश्चिदेकः)

| | |
|--|---------------|
| 1. ऋग्वेदः | पूर्णांकाः-70 |
| क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः प्रथममण्डलम्, सूक्तानि - 1, 3, 17, 19, 20, 40, 43, 50, 89, 95-99, 112, 114-115, 122, 142, 154, 156 | 50 |
| ख) पाणिनीयशिक्षा (सम्पूर्णा) | 20 |
| 2- शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः) | पूर्णांकाः-70 |

| | |
|---|----------------|
| क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः 1-5 अध्यायाः | 50 |
| ख) याज्ञवल्क्यशिक्षा | 20 |
| 3- कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः) | पूर्णांकाः-70 |
| क) तैत्तिरीयशाखायाः प्रथमकाण्डम् | 50 |
| ख) व्यासशिक्षा | 20 |
| 4- सामवेदः | पूर्णांकाः-70 |
| क) सामवेदसंहितायाः सस्वरायाः पूर्वार्चिकस्य 1-2 प्रपाठकौ | 50 |
| ख) नारदीयशिक्षा | 20 |
| 5- अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः) | पूर्णांकाः-70 |
| क) अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः 1-2 काण्डे | 50 |
| ख) माण्डूकीशिक्षा | 20 |
| 6. आयुर्वेदः | पूर्णांकाः 70 |
| क) अष्टांगहृदयम् | 50 |
| 1. दिनचर्या (द्वितीयोऽध्यायः) | |
| 2. ऋतुचर्या (तृतीयोऽध्यायः) | |
| ख) वैद्यशतश्लोकी (1-50 श्लोकाः) कण्ठस्थीकरणम् | 20 |
| 7. प्राचीनव्याकरणम् | पूर्णांकाः 70 |
| क) काशिकावृत्तिः (प्रथमद्वितीयाध्यायौ) (वार्तिककारिकांशवर्जिता) | 40 |
| अथवा | |
| अष्टाध्यायीभाष्यम् - प्रथमावृत्तिः- (प्रथमद्वितीयाध्यायौ) | |
| ख) अष्टाध्यायी-मूलपाठकण्ठस्थीकरणम् (प्रथमद्वितीयाध्यायौ) | 10 |
| ग) वर्णोच्चारणशिक्षा | 10 |
| घ) अव्ययार्थः (अव्ययानाम् अर्थोदाहरणे) | 10 |
| 8- नव्यव्याकरणम् | पूर्णांकाः-70 |
| (क) सिद्धान्तकौमुदी | |
| 1. संज्ञाप्रकरणम् | 10 |
| 2. सन्धिप्रकरणम् | 20 |
| 3. अजन्तप्रकरणम् | 20 |
| 4. हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणतः अव्ययप्रकरणपर्यन्तम् | 20 |
| 9- साहित्यम् | पूर्णांकाः-70 |
| क) कुमारसम्भवम् (प्रथमसर्गः) | 20 |
| ख) कुमारसम्भवम् (द्वितीयसर्गः) | 20 |
| ग) रघुवंशमहाकाव्यम् (पञ्चमः सर्गः) | 30 |
| 10- न्यायः | पूर्णांकाः- 70 |
| क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्डः) | |
| 11- दर्शनम् | पूर्णांकाः-70 |
| क) तर्कसंग्रहः- पदकृत्यम् (सम्पूर्णम्) | |
| 12- ज्यौतिषम् | पूर्णांकाः-70 |
| क) लीलावती (सम्पूर्णम्) | 50 |
| ख) मुहूर्तचिन्तामणिः - संक्रान्तिप्रकरणपर्यन्तम् | 20 |
| 13- जैनदर्शनम् | पूर्णांकाः-70 |
| क) रत्नकरण्डकश्रावकाचारः (समन्तभद्राचार्यकृतः सम्पूर्णः) | |

| | | | |
|---|---------|--------------------------|----------------|
| 14- थेरवादबौद्धदर्शनम् | | | पूर्णांकाः-70 |
| क) महावग्गो (महाक्खन्धकम्) धम्मचक्कपवत्तनसुत्तम् | | | 30 |
| ख) धम्मपदम्- यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, अत्तवग्गो | | | 40 |
| 15- पुराणेतिहासम् | | | पूर्णांकाः- 70 |
| क) वाल्मीकिरामायणस्य प्रथमः सर्गः | | | 45 |
| ख) महाभारतस्य शीलनिरूपण अध्यायः | | | 25 |
| 16- प्राकृतं तथा जैनागमः | | | पूर्णांकाः-70 |
| दव्यसंगहो (मुनिनेमिचन्द्रकृतः सम्पूर्णः) | | | |
| (शब्दार्थसहिता व्याख्या- 30 अंकाः, संस्कृतेन अथवा हिन्दीभाषया अनुवादः- 20 अंका) | | | |
| 3- हिन्दी | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| पाली- | | | पूर्णांकाः-70 |
| क) सुत्तनिपातो- वसलसुत्तम्, पराभवसुत्तम्, मेत्तसुत्तम् | | | 40 |
| ख) व्याकरणम्- बुद्ध-लता-फल-मुनि-रत्ति-भिक्षुशब्दानां रूपाणि। पठ-भू-सह-रक्ख-वद-पचधातूनां लट्-लिट्-लृट्-लिङ्लकारेषु रूपाणि। | | | 30 |
| नेपाली- | | | पूर्णांकाः-70 |
| क) ऋतुविचार अथवा लालित्य लेखक- लेखनाथ पौडेल-पुस्तक संसार, भोटाहिटी, काठमाण्डू नेपाल | | | |
| ख) मुनामदन, ले०- लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा, साझा प्रकाशन, काठमाण्डू नेपाल | | | |
| ग) नेपाली पद्यचन्द्रिका भाग 1, ले०- जगदीश चन्द्र रेग्मी, रेग्मीबन्धु, नेपाली पुस्तक-सदन, दुर्गाघाट, वाराणसी। | | | |
| सहायकग्रन्थाः- | | | |
| (1) नेपाली सजिलो व्याकरण लेखक-पुष्कर समशेर राणा- साझा प्रकाशन, काठमाण्डू नेपाल | | | |
| (2) अलंकारसंग्रह लेखक- कुलचन्द्रगौतम, नेपाली साहित्य सदन, दूधविनायक, वाराणसी | | | |
| अथवा | | | |
| काव्यचन्द्रिका लेखक-शेषराज शर्मा रेग्मी, बन्धु नेपाली-पुस्तकसदन, दुर्गाघाट, वाराणसी। | | | |
| (3) अनुवादचन्द्रिका भाग 1, शोमनाथ सिग्देल-पुस्तक-सभा, भोटाहिटी, काठमाण्डू, | | | |
| 1. व्याख्या | | | 15 |
| 2.लेखक परिचय | | | 10 |
| 3.अनुवाद संस्कृतबाट नेपाली | | | 10 |
| 4.अनुवाद नेपालीबाट संस्कृत | | | 10 |
| 5.सहायक ग्रन्थबाट | | | 10 |
| 6.पाठ्यांशवाट प्रश्न | | | 15 |
| प्राकृतम्- | | | पूर्णांकाः-70 |
| क) कार्तिकेयानुप्रेक्षा- (1-114 गाथापर्यन्तम्) | | | |
| 4- आंग्लभाषा | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| 5- सामाजिक-विज्ञानम् | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| 6- वैकल्पिक विषय – | | | |
| विज्ञानम् | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| गणितम् | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| गृहविज्ञानम् | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| चित्रकला | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| कम्प्यूटरविज्ञानम् | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |

| | | | |
|--|---------|--------------------------|---------------|
| वाणिज्यम् | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| संगीतम् (गायनम्) | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| संगीतम् (वादनम्) | कक्षा-9 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| इतिहास, पुराण एवं संस्कृति - (रामायणकालीन घटनाओं एवं व्यक्तियों का सामान्य परिचय)- | | | पूर्णांकाः-70 |

- क) 1. रामायण का संक्षिप्त परिचय, 2. क्रौंचवध, 3. ऋष्यशृङ्गोपाख्यान, 4. विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण का प्रस्थान, 5. ताड़कावध, 6. सगरोपाख्यान, 7. धनुर्यज्ञ तथा रामादि का विवाह, 8. राम का राज्याभिषेक, 9. कैकेयी का वरद्वययाचन, 10. राम का वनवास, 11. राम और केवट (निषाद), 12. राम का चित्रकूट निवास, 13. राम-भरत-मिलन, 14. राम का पंचवटी गमन तथा राक्षसों का वध, 15. सीताहरण, 16. जटायु का आख्यान, 17. राम और सुग्रीव की मैत्री, 18. बालि-वध, 19. सीतान्वेषण, 21. हनुमान का सागर संतरण, 21. हनुमान और सीता संवाद, 22. लंकादहन, 23. राम-रावण युद्ध, 24. रावण-वध, 25. राम का राज्याभिषेक।
- ख) 1. वाल्मीकि, 2. विश्वामित्र, 3. दशरथ, 4. राम, 5. लक्ष्मण, 6. भरत, 7. शत्रुघ्न, 8. जनक, 9. परशुराम, 10. वशिष्ठ, 11. सुग्रीव, 12. बालि, 13. हनुमान, 14. रावण, 15. विभीषण, 16. मेघनाद।
- ग) 1. कौशल्या, 2. कैकेयी, 3. सीता, 4. तारा, 5. मन्दोदरी।

| | |
|--|---------------|
| 7) पौरोहित्यम् | पूर्णांकाः-70 |
| क) पंचांगपूजनम्(गौरी-गणेशपूजनविधिः, कलशस्थापनविधिः, पुण्याहवाचनविधिः, षोडशमातृकापूजनविधिः, सप्तघृतमातृकापूजनविधिः, आयुष्मन्त्रपाठविधिः, नान्दी-श्राद्धविधिः) | 25 |
| ख) मधुपर्कविधिः | 20 |
| ग) पुरुषसूक्तम्, श्रीसूक्तम्, रुद्रसूक्तम् (देवता-ऋषि-छन्द-सहितम्) | 25 |

| | |
|---|---------------|
| 8) तुलनात्मक-दर्शनम् (सम्पूर्णानन्द सं०वि०वि० से मान्य पुस्तक) | पूर्णांकाः-70 |
| धर्म की परिभाषा, भारत में विभिन्न धर्म, वैदिक, बौद्ध, जैन तथा सिख धर्म के प्रवर्तक तथा उनके विचार, इस्लाम धर्म के प्रवर्तक तथा उनके विचार, यहूदी और ईसाई धर्म की उत्पत्ति तथा विचार, चीनी कन्फ्यूशस तथा ताओ के विचार, पारसी धर्म तथा उनके मूल सिद्धान्त, मध्यकालीन भारतीय सन्त सम्प्रदाय। | |

| | |
|-------------------|---------------|
| (9—) योग विज्ञान। | पूर्णांकाः-70 |
|-------------------|---------------|

पूर्वमध्यमा- द्वितीय

1- अनिवार्यसंस्कृतम्

पूर्णांकाः-70

(i) खण्ड—क

- क) मूलरामायणम् (बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः) 10
- ख) शिवराजविजयः (प्रथमविरामस्य प्रथमो निश्वासः) 10
- ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्- 15
द्रुतविलम्बितम्, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, मालिनी, तोटकम्, प्रहर्षिणी, हरिणी

(ii) खण्ड—ख

- घ) रचनानुवादकौमुदी (16-30 अभ्यासाः) 10
संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि
- ङ) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारकः, समासः, भ्वादिगणः) 25
अथवा
लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरणमात्रम्)
(व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्)

अथवा
तर्कसंग्रहः पदकृत्यसहितः (अनुमानादिसमाप्तिपर्यन्तः)
अथवा
सांख्यसूत्रम् (तृतीयोऽध्यायः)

2- संस्कृतशास्त्रम् (अधोनिर्दिष्टेषु कश्चिदेकः)

| | |
|--|----------------|
| 1-ऋग्वेदः | पूर्णांकाः:-70 |
| (क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः प्रथममण्डलम्, सूक्तानि - 158, 164, 166, 187, 189 | 50 |
| द्वितीयमण्डलम्, सूक्तानि - 12, 23-25, 33, 43-44 | |
| तृतीयमण्डलम्, सूक्तानि - 7, 27, 37-38, 40-42, 55, 59 | |
| चतुर्थमण्डलम्, सूक्तानि - 4 | |
| (ख) प्रयोगरत्नानुसारिणी गणेशपूजनादिपुण्याहवाचनप्रयोगो नान्दीश्राद्धप्रयोगश्च- | 20 |
| 2. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः) | पूर्णांकाः:-70 |
| क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः 6-10 अध्यायाः | 50 |
| ख) ग्रहशान्तिप्रयोगः, नान्दीश्राद्धान्तः संस्कारभास्कारानुसारी | 20 |
| 3- कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः) | पूर्णांकाः:-70 |
| क) तैत्तिरीयसंहितायाः सस्वरायाः द्वितीयं काण्डम् | 50 |
| ख) हिरण्यकेशीया आपस्तम्बीया वा पुण्याहवाचनपद्धतिः | 20 |
| 4- सामवेदः | पूर्णांकाः:-70 |
| क) सामवेदसंहितायाः सस्वरायाः पूर्वार्चिकस्य 3-4 प्रपाठकौ | 50 |
| ख) ग्रामगेयगानस्य आग्नेयपर्वम्(सम्पूर्णम्) | 20 |
| 5- अथर्ववेदः | पूर्णांकाः:-70 |
| क) अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः 3-4 काण्डे | 50 |
| ख) प्रयोगरत्नानुसारिणी वरणान्ता पद्धतिः अथर्ववेदीयपुण्याहवाचनमधुपर्कप्रयोगसंहिता | 20 |
| 6- आयुर्वेदः | पूर्णांकाः:-70 |
| क) अष्टांगहृदयम् | 50 |
| 1. रोगानुत्पादनीय (चतुर्थोऽध्यायः) | |
| 2. अन्नस्वरूपविज्ञानीयः | |
| ख) वैद्यशतश्लोकी (51 - अन्तपर्यन्तम्) | 20 |
| 7- प्राचीनव्याकरणम् | पूर्णांकाः:-70 |
| क) काशिकावृत्तिः (तृतीयोऽध्यायः) (वार्तिककारिकांशवर्जिता) | 40 |
| अथवा | |
| अष्टाध्यायीभाष्यम्- (तृतीयोऽध्यायः) प्रथमावृत्तिः | |
| ख) अष्टाध्यायी (तृतीयोऽध्यायः) सूत्रपाठकण्ठस्थीकरणम् | 15 |
| ग) लिंगानुशासनवृत्तिः (निर्दिष्टशब्देषु ससूत्रं लिंगपरिचयः) | 15 |
| 8- नव्यव्याकरणम् | पूर्णांकाः:-70 |
| क) सिद्धान्तकौमुदी | |
| 1) स्त्रीप्रत्ययः | 10 |
| 2) कारकप्रकरणम् | 20 |
| 3) समासाश्रयविधिप्रकरणतः अपत्याधिकारप्रकरणपर्यन्तम् | 40 |

| | | |
|--|-----------------------------------|---------------|
| 9- साहित्यम् | | पूर्णांकाः-70 |
| क) चन्द्रालोकः (सम्पूर्णः)50 | | |
| ख) किरातार्जुनीयम् (द्वितीयः सर्गः) 20 | | |
| 10- न्यायः | | पूर्णांकाः-70 |
| क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याः अनुमानखण्डमात्रम् | | |
| 11- दर्शनम् | | पूर्णांकाः-70 |
| क) तर्कभाषा (सम्पूर्णम्) | | |
| 12- ज्यौतिषम् | | पूर्णांकाः-70 |
| क) भास्करीयबीजगणितम् | | |
| 13- जैनदर्शनम् | | पूर्णांकाः-70 |
| क) परीक्षामुखसूत्रम् (आ. माणिक्यनन्दिप्रणीतम्) | | |
| 14- थेरवादबौद्धदर्शनम् | | पूर्णांकाः-70 |
| क) दीघनिकायो (पठमो भागो)- सामञ्जससुत्तम्, अम्बडसुत्तम् | 40 | |
| ख) मज्झिमनिकायो- सम्मादिट्ठिसुत्तम् | 30 | |
| 15- पुराणेतिहासम् | | पूर्णांकाः-70 |
| क) महाभारतस्य आदिपर्वणः सभापर्वणः वा प्रथमतः तृतीयपर्वपर्यन्तमाख्यानम् | 25 | |
| ख) युगपुराणे वाल्मीकि-वसिष्ठ-व्यास-सूत-शौनकादीनां परिचयः | 25 | |
| ग) श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रथमद्वितीयाध्यायौ | 20 | |
| 16- प्राकृतं तथा जैनागमः | | पूर्णांकाः-70 |
| क) नायाधम्म कहाओ (प्रथमश्रुतस्कन्धस्य सप्तमाध्ययनम्) | | |
| अथवा | | |
| पाइअ गज्जसंगहो वीयो भाओ (कथा 1-10) (प्रो- राजाराम जैन द्वारा सम्पादित) | | |
| 3- हिन्दी | कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| पाली- | | पूर्णांकाः-70 |
| क) धम्मपदम्- यमकवग्गो, पापवग्गो, दण्डवग्गो, जरावग्गो | 30 | |
| ख) उदानम्- बोधिवग्गो, मुचलिनन्दवग्गो | 30 | |
| ग) अनुवादः- हिन्दीभाषातः पालिभाषायाम् | 10 | |
| नेपाली | | पूर्णांकाः-70 |
| (क) नेपाली गद्यचन्द्रिका भाग 1, लेखक-दिनेशचन्द्र रेग्मी-प्र०-रेग्मीबन्धु, नेपाली पुस्तक सदन काठमाण्डू। | | |
| (ख) प्रबन्धलता (अध्ययन हाभ्रा मनीषी, गौतम बुद्ध, र भानुभक्तको दार्शनिक पक्ष, नेपाल र संस्कृत शिक्षा) | | |
| (ग) नेपाली सामाजिक कहानी (अन्तरे भाग), ले०-भीमनिधि तिवारी, तिवारी प्रकाशन, काठमाण्डू नेपाल। | | |
| सहायक ग्रन्थः- | | |
| (1) मध्यचन्द्रिका, ले०-सोमनाथ सिग्देल-पुस्तक संसार, भोटाहिटी, काठमाण्डू। | | |
| (2) रचनाकेशर, ले०- गोपाल पाण्डे, साझा प्रकाशन, काठमाण्डू, नेपाल। | | |
| (3) अनुवाद चन्द्रिका भाग 2-सोमनाथ सिग्देल-पुस्तक संसार, भोटाहिटी, काठमाण्डू। | | |
| 1. व्याख्या | 15 | |
| 2. लेखक परिचय | 10 | |
| 3. अनुवाद संस्कृतबाट नेपाली | 10 | |
| 4. अनुवाद नेपालीबाट संस्कृत | 10 | |
| 5. सहायक ग्रन्थबाट | 10 | |
| 6. पाठ्यांशबाट प्रश्न | 15 | |

अथवा

| | | | |
|---|--|--------------------------|---------------|
| प्राकृतम् | | | पूर्णांकाः-70 |
| | क) रचनानुवादः व्याकरणं च। | | |
| | ख) प्राकृतगद्यपाठाः | | |
| | (प्राकृत स्वयं शिक्षक 23-43 पाठाः तथा च गज्जसंगहो 1, 5, 9, 10 | | |
| 4- सामाजिक-विज्ञानम् | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| 5- आंग्लभाषा | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| 6- वैकल्पिक विषय – | | | |
| विज्ञानम् | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| गणितम् | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| गृहविज्ञानम् | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| चित्रकला | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| कम्प्यूटरविज्ञानम् | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| वाणिज्यम् | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| संगीतम् (गायनम्) | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| संगीतम् (वादनम्) | कक्षा-10 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-70 |
| इतिहास-पुराण एवं संस्कृति | | | पूर्णांकाः-70 |
| | महाभारतकालीन घटनाओं एवं व्यक्तियों का परिचय- | | |
| | क) 1. पाण्डव एवं कौरवों की उत्पत्ति कथा, 2. जनमेजय का नागयज्ञ, 3. युधिष्ठिर का यज्ञ, 4. पाण्डवों का वनवास, 5. यक्ष-युधिष्ठिर सम्वाद, 6. नलोपाख्यान, 7. शकुन्तलोपाख्यान, 8. कीचकवध कथा, 9. मत्स्यवेध, 10. द्रौपदी स्वयम्बर, 11. विदुलोपाख्यान 12. लाक्षागृह, 13. द्यूतक्रीड़ा, 14. कच-देवयानी 15. कर्ण का दान, 16. अभिमन्युवध, 17. भारतयुद्ध, 18. भीष्म-परशुराम युद्ध, 19. परीक्षित जन्म, 20. अश्वमेध यज्ञ, 21. जयद्रथवध, 22. भीष्म का उपदेश, 23. पाण्डवों का स्वर्गारोहण 24. चक्रव्यूह, 25. द्रोणाचार्य और भीष्म का स्वर्गवास। | | |
| | ख) 1. व्यास, 2. शान्तनु, 3. भीष्म, 4. धृतराष्ट्र, 5. पाण्डु, 6. युधिष्ठिर, 7. भीम, 8. अर्जुन, 9. नकुल और सहदेव, 10. कर्ण, 11. दुर्योधन, 12. दुःशासन, 13. अभिमन्यु, 14. परशुराम, 15. द्रोणाचार्य, 16. अश्वत्थामा, 17. विदुर, 18. जयद्रथ, 19. आस्तीकमुनि, 20. श्रीकृष्ण, 21. शकुनि। | | |
| | ग) 1. द्रौपदी, 2. गान्धारी, 3. कुन्ती, 4. मत्स्योदरी (योजन-गन्धा), 5. विदुला। | | |
| | अथवा | | |
| पौरोहित्यम् | | | पूर्णांकाः-70 |
| | क) सर्वतोभद्रपूजनविधिः समन्त्रकः (कारिकासहितः) | | 20 |
| | ख) लिंगतोभद्रपूजनविधिः समन्त्रकः (कारिकासहितः) | | 15 |
| | ग) पीठपूजनविधिः, यन्त्रपूजनविधिः, अग्न्युत्तरणविधिः, प्राणप्रतिष्ठाविधिः | | 20 |
| | घ) ग्रहस्थापनविधिः | | 15 |
| | अथवा | | |
| तुलनात्मक-दर्शनम् (सम्पूर्णानन्द सं०वि०वि० से मान्य पुस्तक) | | | पूर्णांकाः-70 |

दर्शन का स्वरूप, भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन की विशेषतायें, भारतीय दर्शन के विभिन्न विभाग, वैदिक और अवैदिक दर्शनों का संक्षिप्त विवरण, चार्वाक न्याय वैशेषिक- सांख्ययोग-मीमांसा वेदान्त का परिचय। पाश्चात्य दर्शन के ग्रीक विचारों का विकासात्मक स्वरूप तथा आधुनिक दर्शन की प्रवृत्तियाँ, देकार्त, लाक एवं काण्ट के संक्षिप्त विचार।

(7-) योग विज्ञान।

पूर्णांक:-70

उत्तरमध्यमा-प्रथम

(मानविकी वर्ग)

1- अनिवार्यसंस्कृतम्

पूर्णांक:-100

(i) खण्ड—क

क) किरातार्जुनीयम् (प्रथमः सर्गः) 25

ख) शब्दालंकाराः भेदोपभेदसहिताः (लक्षणोदाहरणज्ञानम्) 10

ग) गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 15

आदितः विंशतिपर्यन्तं श्लोकाः, गुप्ताशुद्धिवाक्यानि (1-100 पर्यन्तम्)

(ii) खण्ड—ख

क) रचनानुवादकौमुदी (31-45 अभ्यासाः) 25

संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, पत्रलेखनम्

ख) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारक-समासप्रकरणे) 25

अथवा

लघुसिद्धान्तकौमुदी (प्यन्तकृदन्तप्रकरणं यावत्)

(व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्)

अथवा

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्डः)

अथवा

न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्)

2- संस्कृतशास्त्रम् (अधोनिर्दिष्टेषु कश्चिदेकः)

1- ऋग्वेदः

पूर्णांक:-100

खण्ड—क

क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः चतुर्थमण्डलम्, सूक्तानि - 15, 31-32, 46-50, 57-58

पंचममण्डलम्, सूक्तानि - 4-5, 9-10, 24-25, 39-40

46-51, 82-84

षष्ठमण्डलम्, सूक्तानि - 1-16, 28, 47

ख) प्रयोगरत्नानुसारिणी ग्रहयज्ञप्रयोगपद्धतिः

खण्ड—ख

क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः षष्ठमण्डलम्, सूक्तानि - 53-58, 61, 68-75

सप्तममण्डलम्, सूक्तानि - 1, 15, 34-35, 41, 46-55, 60-63, 94-104

अष्टममण्डलम्, सूक्तानि - 11, 20, 30-31

ख) पिंगलच्छन्दःसूत्रस्य वैदिकप्रकरणम् उदाहरणसहितम्

2- शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः (11-17 अध्यायाः)
ख) ग्रहशान्तिप्रयोगः (नान्दीश्राद्धोत्तरमवशिष्टः ग्रहशान्तिप्रयोगः संस्कारभास्करानुसारी)

खण्ड—ख

- क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः (18-21 अध्यायाः)
ख) पिंगलछन्दस्सूत्रस्य वैदिकच्छन्दःप्रकरणम् उदाहरणसहितम्

3- कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) तैत्तिरीयसंहितायाः सस्वरायाः तृतीयं काण्डम्
ख) हिरण्यकेशीयः आपस्तम्बीयो वा ग्रहशान्तिप्रयोगः

खण्ड—ख

- क) तैत्तिरीयसंहितायाः सस्वरायाः चतुर्थं काण्डम्
ख) पिंगलछन्दःसूत्रस्य वैदिकच्छन्दःप्रकरणम् उदाहरणसहितम्

4- सामवेदः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) सामवेदसंहितायाः सस्वरायाः पूर्वार्चिकस्य 5-6 प्रपाठकौ
ख) आरण्यगानस्यार्कपर्वः

खण्ड—ख

- क) सामवेदसंहितायाः सस्वरायाः आरण्यकाण्डादारभ्य उत्तरार्चिकस्य 1-3 प्रपाठकाः
ख) पिंगलछन्दःसूत्रस्य वैदिकच्छन्दः प्रकरणम् उदाहरणसहितम्

5- अथर्ववेदः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः पञ्चमकाण्डम्
ख) अथर्ववेदीया कुशकण्डिका

खण्ड—ख

- क) अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः षष्ठकाण्डम्
ख) पिंगलछन्दःसूत्रस्य वैदिकच्छन्दः प्रकरणम् उदाहरणसहितम्

6- आयुर्वेदः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) अष्टांगहृदयम् (अन्नरक्षाध्यायः)
ख) योगशतम्- (1-50 श्लोकाः)

खण्ड—ख

ग) अजीर्णामृतमंजरी (सम्पूर्णम्)

7-प्राचीनव्याकरणम्

खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

क) अष्टाध्यायीभाष्यम्- (चतुर्थोऽध्यायः) प्रथमावृत्तिः/ काशिकावृत्तिः (चतुर्थोऽध्यायः) (वार्तिककारिकांशवर्जिता)

ख) आख्यातिकः (भ्वादिगणः अदादिगणश्च, चिताः धातवः)

(भू, सत्तायाम्। एध वृद्धौ। अञ्चु, गतिपूजनयोः। वाछि, इच्छायाम्। कमु, कान्तौ। जि, जये। बृहि, वृद्धौ। शुभ दीप्तौ। भृञ्, भरणे। पा, पाने। घ्रा, गन्धोपादाने। दाण्, दाने। स्मृ, चिन्तायाम्। श्रु, श्रवणे। डुलभष्, प्राप्तौ। णम्, प्रह्वत्वे शब्दे च। गम्लृ, गतौ। दृशिर्, प्रेक्षणे। डुपचष्, पाके। यज्, देवपूजासंगतिकरणदानेषु। वस, निवासो। अद, भक्षणो। हन, हिंसागत्योः। द्विष्, अप्रीतौ। शीङ् स्वप्ने। ष्टुञ्, स्तुतौ। ब्रूञ्, व्यक्तायां वाचि। इङ्, अध्ययने। वच्, परिभाषणे। विद, ज्ञाने। अस, भुवि। जागृ, निद्राक्षये।)

ग) धातुपाठः (भ्वादिगणः अदादिगणश्च)– धात्वर्थमात्रनिर्देशः

घ) सन्धिविषयः

विगृहीतेषु पदेषु सन्धिकार्यम्, सन्धिपदेषु विग्रहकार्यप्रदर्शनम्

खण्ड—ख

क) काशिकावृत्तिः (पंचमोऽध्यायः) (वार्तिककारिकांशवर्जिता) अथवा

अष्टाध्यायीभाष्यम्- (पञ्चमोऽध्यायः) प्रथमावृत्तिः

ख) उणादिकोषः (प्रथमद्वितीयपादौ)

ग) धातुरूपभेदकाव्यम्

कारिकाकण्ठस्थीकरणम्, क्रियारूपेषु धातुनिर्देशः

8- नव्यव्याकरणम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

-

क) सिद्धान्तकौमुदी (शैषिकादि द्विरुक्त प्रक्रियान्त भागः)

खण्ड—ख

(क) सिद्धान्तकौमुदी (भ्वादितः जुहोत्यादि पर्यन्तम्)

9- साहित्यम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका)

ख) रघुवंशमहाकाव्यम् (13-14 सर्गौ)

खण्ड—ख

क) तर्कसंग्रहः (न्यायबोधिनी टीका) - प्रत्यक्षखण्डः

10- न्यायः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली किरणावलीसहिता (प्रत्यक्षखण्डः)

खण्ड—ख

क) न्यायबिन्दुः (प्रत्यक्षखंडः)

11- दर्शनम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) तर्कसंग्रहः न्यायबोधिनी (प्रत्यक्षखंडः)

खण्ड—ख

(क) सांख्यकारिका (अर्थसहितम्)

12- ज्यौतिषम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) रेखागणितस्य 1-2 अध्यायौ (सुधाकर द्विवेदी)

ख) मुहूर्त्तचिन्तामणिः (गोचरप्रकरणात् यात्राप्रकरणपर्यन्तम्)

खण्ड—ख

क) ग्रहलाघवं रविचन्द्रस्पष्टाधिकारः

ख) लघुजातकम्

13- जैनदर्शनम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) द्रव्यसंग्रहः (नेमिचन्द्रमुनिकृतः)

खण्ड—ख

क) न्यायदीपिका (धर्मभूषणयतिकृता)

14- शेरवादबौद्धदर्शनम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) अभिधर्मकोशः प्रथमकोशस्थानम् (मूलमात्रम्)

ख) वज्रच्छेदिका प्रज्ञापारमिता (मूलमात्रम्)

खण्ड—ख

क) अभिधम्मत्थसंगहो 1-4 परिच्छेदाः (मूलमात्रम्)

क) विष्णुपुराणस्य प्रथमद्वितीयसर्गौ
अथवा

श्रीमद्भागवतमहापुराणस्य प्रथमस्कन्धस्य प्रथमाध्यायतः पञ्चमाध्यायपर्यन्तम्

खण्ड-ख

क) वाल्मीकिरामायणस्य सुन्दरकाण्डे द्वितीयसर्गतः दशमसर्गपर्यन्तम्

16- प्राकृतं तथा जैनागमः

पूर्णांकाः-100

खण्ड-क

क) उत्तरज्जयणम् (उत्तराध्ययन 23 वां केसिगोमिज्जं अध्ययनम्)

खण्ड-ख

क) कार्तिकेयानुवेक्खा (कार्तिकेयानुप्रेक्षा गाथा 1-101)

17- प्राच्य विज्ञानम्

18- प्राच्य वाणिज्यम्।

3- (भाषा) 1.हिन्दी कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

2- पाली-

पूर्णांकाः-100

क) दण्डी-सुखकारी-आयु-धेनु-मातु-पितु-सत्थ-सब्ब-अम्ह-तुम्ह-किं-यु-गच्छन्तशब्दानां
रूपाणि। भ्वादि-रुधादि-दिवादि-तुदादि-तनादि-चुरादि-स्वादिधातूनां लट्-लोट्-लिट्-
लिङ्लकारेषु रूपाणि।

ख) बालावतारो (पालिव्याकरणम्) आदितः समासकप्पर्यन्तम्।

ग) अनुवादः- हिन्दीभाषातः पालिभाषायाम्

3- नेपाली -

पूर्णांकाः-100

(क) नेपाली पद्यचन्द्रिकाभाग 2, ले०- जगदीशचन्द्र रेग्मी, रेग्मीबन्धु, नेपाली पुस्तक सदन, दुर्गाघाट वाराणसी.

(ख) भिखारी (भिखारी, बादल, यात्रि, वन, प्रश्नोत्तर, बालक-काल, धासी मात्र) ले०- लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा,
साझा प्रकाशन, काठमांडू, नेपाल.

(ग) नैवेद्य, ले०-धरणीधर कोईराला, नेपाली साहित्य संमेलन, दार्जिलिंग, बंगाल.

अथवा

मुक्त सुदामा- युद्धप्रसाद मिश्र, प्र०- स्वयं लेखक, मुमुक्षु भवन, अस्सी, वाराणसी.

सहायकग्रंथनामानि-

(1) छन्द र अलंकार, ले०-डिल्लीराम तिसिना, माधव भंडारी, प्र०- पुस्तक संसार, भोटाहिनी, नेपाल.

(2) अनुवाद चन्द्रिका भाग-3, सोमनाथ सिग्देल, प्र०- पुस्तक संसार, भोटाहिनी, काठमांडू, नेपाल.

- | | | |
|----|--------------------------|----|
| 1. | व्याख्या | 15 |
| 2. | लेखक परिचय | 10 |
| 3. | अनुवाद संस्कृतबाट नेपाली | 15 |
| 4. | अनुवाद नेपालीबाट संस्कृत | 15 |

4- प्राकृतम् –

खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

क) रचनानुवादः व्याकरणं च (प्राकृत स्वयं शिक्षक 44-63 पाठाः)

खण्ड—ख

ख) प्राकृतपद्यपाठाः (प्राकृतप्रवेशिका- डॉ. कोमलचन्द्र जैन-सुभाषितानि, सज्जन-दुर्जनचर्चा, धर्ममाहात्म्यम्, शीर्षकपाठाः)

4- आंग्लभाषा कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

5-वैकल्पिक विषय –

| | | |
|--------------------|-----------------------------------|----------------|
| इतिहासः | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| राजनीतिशास्त्रम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| समाजशास्त्रम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| गृहविज्ञानम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| शिक्षाशास्त्रम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| गणितम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| अर्थशास्त्रम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| कम्प्यूटरविज्ञानम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| भूगोलः | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| तुलनात्मकदर्शनम् | | पूर्णांकाः-100 |

तर्कशास्त्र निगमनविधि-

क) पाश्चात्य तर्कशास्त्र -न्यायशास्त्र की परिभाषा, न्यायशास्त्र का विषय-विचार और भाषा, न्यायशास्त्र का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध, न्यायशास्त्र की उपयोगिता विचार के नियम पद और उनका विभाग, पद का गुण और निर्देशवाच्य धर्म-परिभाषा एवं तार्किक (नैयायिक) विभाग, तार्किक या नैयायिक वाक्य, वाक्यों का अर्थ, वाक्य में पदों का विस्तार, अनुमान का स्वरूप और उनके अनेक भेद, वाक्यप्रतिमुखता न्याय वाक्यों के स्वरूप, आकार, संयोग एवं भेद उभयतो-पाश संक्षिप्त-न्याय वाक्य का संक्षिप्त अनुलोमयुक्तिमाला, संक्षिप्त-प्रतिलोम-न्यायमाला, न्याय-वाक्य का और उसकी उपयोगिता, दोष।

ख) भारतीय तर्कशास्त्र- विषय प्रवेश:- न्यायशास्त्र का उद्देश्य और महत्व, न्यायशास्त्र का विकास, प्रमा:- ज्ञान और उसके भेद, प्रमा के लक्षण, प्रमा का विश्लेषण, कारण प्रमाण:- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द-प्रमा और अन्य विषय:- संशय, विपर्यय, तर्क, कथा, वाद, जल्प, वितण्डा, छल जाति और निग्रहस्थान।

| | | |
|----------------------------|-----------------------------------|----------------|
| कंठसंगीतम् | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| वाद्यसंगीतम् (सितार/तबला) | कक्षा-11(उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| चित्रकला | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| इतिहास, पुराण एवं संस्कृति | | पूर्णांकाः-100 |

1) पौराणिक इतिहास- अष्टादश पुराण परिचय तथा पुराणों के रचयिता।

2) पुराणकालीन प्रमुख आख्यानों एवं प्रमुख व्यक्तियों का सामान्य परिचय।

क) 1. व्यासचरित्र, 2. ध्रुवचरित्र, 3. प्रह्लाद चरित्र, 4. ययातिचरित्र 5. बेन तथा पृथु का आख्यान, 6. सगरपाख्यान, 7. गंगावतरण, 8. हरिश्चन्द्रोपाख्यान, 9. पुरुरवा-उर्वशी आख्यान, 10. शर्मिष्ठा और देवयानी, 11. नल-दमयन्ती की कथा, 12. स्यमन्तक मणि की कथा, 13. कालियादहन कथा, 14. कपोतोपाख्यान, 15. बाणासुर की कथा, 16. निमिचरित, 17. मनु की कथा।

ख) 1. श्रीकृष्ण, 2. व्यास, 3. सूत, 4. शौनक, 5. वशिष्ठ, 6. विश्वामित्र, 7. परशुराम, 8. भगीरथ, 9. रन्तिदेव, 10. शिवि, 11. नहुष, 12. अम्बरीष, 13. अजामिल, 14. ययाति

ग) 1. अहिल्या, 2. यशोदा, 3. रुक्मिणी, 4. सत्यभामा, 5. उषा, 6. कुब्जा।

पौरोहित्यम् -

पूर्णांकाः-100

क) कुशकण्डिकाप्रयोगविधिः

ख) विवाहसंस्कारविधिः

ग) गर्भाधानसंस्कारविधिः

घ) पुंसवन-सीमन्तोन्नयनसंस्कारविधिः

च) जातकर्म-नामकरणसंस्कारविधिः

(6-) योग विज्ञान ।

पूर्णांकाः-70

उत्तरमध्यमा- प्रथम

(विज्ञानवर्गः)

संस्कृतशास्त्रम् : प्राच्यविज्ञानम्

100

क) लीलावती

(परिभाषाप्रकरणम्, अभिन्नपरिकर्माष्टकम्, भिन्नपरिकर्माष्टकम्- 1-25 श्लोकपर्यन्तम्)

1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५

2) श्लोकपूर्तिः- ४X२-५=१०

ख) सूर्यसिद्धान्तः

(प्रथमोऽध्यायः- 10- 23 श्लोकपर्यन्तम्, चतुर्थोऽध्यायः- 1- 10 श्लोकपर्यन्तम्)

1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५

2) श्लोकपूर्तिः- ४X२-५=१०

ग) अष्टाङ्गहृदयम् (सूत्रस्थाने द्वितीयाध्यायः= दिनचर्याध्यायः)

1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५

2) श्लोकपूर्तिः- ४X२-५=१०

घ) जीवनपरिचयः २X१२.५=२५

कणादः, आर्यभट्टः, चरकः, सुश्रुतः, वाग्भट्टः, बौधायनः, ब्रह्मगुप्तः, भास्कराचार्यः, वराहमिहिरः, लगधाचार्यः।

हिन्दी

कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

100

आंग्लभाषा

कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

100

भौतिकविज्ञानम्

कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

100

रसायनविज्ञानम्

कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

100

गणितम्/जीवविज्ञानम्

कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

100

उत्तरमध्यमा- प्रथम
(वाणिज्यवर्गः)

संस्कृतशास्त्रम् : प्राच्यवाणिज्यम् 100

क) शुक्रनीतिः (चतुर्थाध्याये कोशनिरूपणप्रकरणे 1-65 श्लोकपर्यन्तम्)

- 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५
- 2) विषयगतप्रश्नाः- ५X२=१०

ख) मनुस्मृतिः (अष्टमाध्याये 131(75) - 228(141) श्लोकपर्यन्तम्)

- 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५
- 2) विषयगतप्रश्नाः- ५X२=१०

ग) कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्

(समाहर्तृसमुदयप्रस्थापनम्- प्रकरणम्- 22, अध्यायः-6, आकरकर्मान्तप्रवर्तनम्- प्र--28, अ--12, शुल्कव्यवहारः- प्र--38, अ--22, सीताध्यक्षः प्र--40, अ--24)

- 1) वाक्यखण्डव्याख्या- २X७.५=१५
- 2) विषयगतप्रश्नाः- ५X२=१०

घ) प्राचीन भारत का धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन

-सत्यकेतु विद्यालंकार

पाठ्यक्रमे निर्धारितोऽशः-

त्रयोदशोऽध्यायः- बौद्धकाल में भारत की आर्थिक दशा

चतुर्दशोऽध्यायः- मौर्यकाल का आर्थिक जीवन

पंचदशोऽध्यायः- मौर्ययुग के पश्चात् भारत का आर्थिक जीवन

- 1) विषयगतप्रश्नाः- ५X५=२५

| | | |
|----------------------|-----------------------------------|-----|
| हिन्दी | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| आंग्लभाषा /कम्प्यूटर | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| लेखाशास्त्र | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| व्यावसाय अध्ययन | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| अर्थशास्त्र / गणित | कक्षा-11 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |

उत्तरमध्यमा- द्वितीय
(मानविकीवर्गः)

प्रथमपत्रम्- अनिवार्यसंस्कृतम्

पूर्णांकाः-100

(i) खण्ड—क

क) शुकनासोपदेशः

अथवा

स्वप्नवासवदत्तम्

ख) अर्थालंकाराः (लक्षणोदाहरणज्ञानम्)

उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, वक्रोक्तिः, भ्रान्तिमानः, सन्देहः, दृष्टान्तः

ग) गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्
व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् (21 – 57 श्लोकपर्यन्तम्), गुप्ताशुद्धिवाक्यानि (101-130 पर्यन्तम्)

(ii) खण्ड—ख

क)- रचनानुवादकौमुदी (46-60 अभ्यासाः)
संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, निबन्धलेखनम्
ख) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरणं स्त्रीप्रत्ययप्रकरणं च)
अथवा
लघुसिद्धान्तकौमुदी (विभक्त्यर्थप्रकरणतः स्त्रीप्रत्ययप्रकरणं यावत्)
(व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्)
अथवा
व्याकरणच्छात्राणां कृते- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्डः)
अथवा
वैशेषिकसूत्रम् (प्रथमोऽध्यायः)

संस्कृतशास्त्रम् (अधोनिर्दिष्टेषु कश्चिदेकः)

खण्ड—क

1- ऋग्वेदः

पूर्णांकाः-100

क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः अष्टममण्डलम्, सूक्तानि - 44-48, 80-81, 95
नवममण्डलम्, सूक्तानि - 1, 67, 76, 91, 111, 114
ख) कुण्डमण्डपसिद्धिः

खण्ड—ख

क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः दशममण्डलम्, सूक्तानि - 9-10, 15, 18, 19, 30-33, 34-37,
46-50, 62-63, 70-75, 125-130,
151-152, 158, 161-163, 170, 173,
174, 177-179, 183-191
ख) ऋग्वेदसंहितायाः प्रथमाध्यायस्य सस्वरः पदपाठः क्रमपाठश्च

2- शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः (23-30 अध्यायाः)
ख) कुण्डमण्डपसिद्धिः

खण्ड—ख

क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः (31-40 अध्यायाः)
ख) मुहूर्तचिन्तामणेः संस्कारप्रकरणम्

3- अथर्ववेदः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः 7-8 काण्डे
ख) कुण्डमण्डपसिद्धिः

खण्ड—ख

- क) अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः 9-12 काण्डानि
ख) अथर्ववेदसंहितायाः प्रथमकाण्डस्य पदपाठः

4- कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) तैत्तिरीयशाखायाः सस्वरायाः पंचमकाण्डम्
ख) कुण्डमण्डपसिद्धिः

खण्ड—ख

- क) तैत्तिरीयशाखायाः सस्वरायाः षष्ठं काण्डम्
ख) तैत्तिरीयसंहितायाः नमकचमकाध्याययोः पदक्रमजटाघनपाठाः

5- सामवेदः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) सामवेदसंहितायाः सस्वरायाः उत्तरार्चिकस्य 4-6 प्रपाठकाः
ख) कुण्डमण्डपसिद्धिः

खण्ड—ख

- क) सामवेदसंहितायाः सस्वरायाः उत्तरार्चिकस्य 7-9 प्रपाठकाः
ख) सुबोधिनीपद्धतिः आदितः कौतुकबन्धप्रयोगान्ता

6- आयुर्वेदः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) अष्टांगहृदयम्
1. मात्राशितिः
2. शोधनादिगणः
ख) योगशतम्- (51- अन्तपर्यन्तम्)

खण्ड—ख

आयुर्वेदमहोदधिः (प्रारम्भतः एकादशवर्गाः)

7- प्राचीनव्याकरणम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) अष्टाध्यायीभाष्यम् (षष्ठोऽध्यायः - स्वरप्रकरणवर्जम्) - प्रथमावृत्तिः/काशिकावृत्तिः
षष्ठोऽध्यायः (वार्तिककारिकांशवर्जिता)

- ख) आख्यातिकः (जुहोत्यादिगणादारभ्य चुरादिगणपर्यन्तम्, चिताः धातवः)
 (हु दानादनयोः आदाने चेत्येके। जिभी, भये। पृञ्, पालनपूरणयोः। डुभृञ्, धारणपोषणयोः।
 माङ्, माने शब्दे च। डुदाञ्, दाने। डुधाञ्, धारणपोषणयोः। दिवु, क्रीडाविजिगीषाव्यवहारद्युति-
 स्तुतिमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु। नृती, गात्रविक्षेपे। जनी, प्रादुर्भावो। विद, सत्तायाम्। बुध, अवगमने।
 षुञ्, अभिषवे। चिञ्, चयने। शक्लृ, शक्तौ। तुद, व्यथने। नुद, क्षिप, प्रेरणे। प्रच्छ, ज्ञीप्सायाम्।
 मुच्लृ, मोचने। कृती, छेदने। रुधिर्, आवरणे। पिष्ट्लृ, संचूर्णने। भुज्, पालनाभ्यवहारयोः।
 तनु, विस्तारो। डुकृञ्, करणे। डुक्रीञ्, द्रव्यविनिमये। प्रीञ्, तर्पणे। कान्तौ च। ग्रह, उपादाने।
 चुर, स्तेये। चिञ्, चयने।)
- ग) धातुपाठः (जुहोत्यादिगणादारभ्य चुरादिगणपर्यन्तम्)– धात्वर्थमात्रनिर्देशः
 घ) सामासिकः (पदेषु सविग्रहं समासनिर्देशः)

खण्ड—ख

- क) काशिकावृत्तिः (वार्तिककारिकांशवर्जिता) -सप्तमाष्टमाध्यायौ - स्वरप्रकरणवर्जम्
 अथवा
 अष्टाध्यायीभाष्यम् (सप्तमाष्टमाध्यायौ - स्वरप्रकरणवर्जम्) - प्रथमावृत्तिः
 ख) नामिकः

8- नव्यव्याकरणम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

-

सिद्धान्तकौमुदी (दिवादिगणादारभ्य नामधात्वन्तो भागः)

खण्ड—ख

-

सिद्धान्तकौमुदी (कण्ड्वादिप्रकरणमारभ्य उणादिहीनकृदन्तान्तो भागः)

9- साहित्यम्

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

- क) काव्यमीमांसा (1-5 अध्यायाः)
 ख) वृत्तरत्नाकरः (1-3 अध्यायाः)

खण्ड—ख

किरातार्जुनीयम् (3-4 सर्गौ)

10- न्यायः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानोपमानशब्दखंडाः) किरणावलीसहिता

खण्ड—ख

न्यायबिन्दुः (अनुमानतः समाप्तिं यावत्)

11- दर्शनम्
खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

न्यायबिन्दुः (प्रत्यक्षखंडः)

खण्ड—ख

योगदर्शनम् (प्रथमद्वितीयपादौ)

12- ज्यौतिषम्
खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

क) रेखागणितस्य ३-४ अध्यायौ
ख) मुहूर्तचिन्तामणिः राज्याभिषेकात् अवशिष्टो भागः

खण्ड—ख

क) ग्रहलाघवं पंचतारास्पष्टीकरणादारभ्य सूर्यग्रहणान्तम्
ख) लघुपाराशरी

13- जैनदर्शनम्
खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

भिक्षन्यायकर्णिका (आ. तुलसीकृता)

खण्ड—ख

तत्त्वार्थसूत्रम् (आ. उमास्वामी)

14- थेरवादबौद्धदर्शनम्
खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

बोधिचर्यावतारः 1-6 परिच्छेदपर्यन्तः

खण्ड—ख

मिलिन्दपञ्चो- बाहिरकथा, लक्षणविमतिच्छेदपञ्चो

15- पुराणेतिहासम्
खण्ड—क

पूर्णांकाः-100

क) श्रीमद्भगवद्गीतायाः दशमाध्ययतः अष्टादशाध्यायपर्यन्तम्
ख) विष्णुपुराणस्य तृतीय-चतुर्थसर्गौ

खण्ड—ख

-

क) विष्णुपुराणस्य पंचमोऽंशः

ख) प्राचीनभारतेतिहासः (महाजनपदकालात् गुप्तकालपर्यन्तम्)

16- प्राकृतं तथा जैनागमः

पूर्णांकाः-100

खण्ड—क

रयणसारो (कुन्दकुन्दाचार्यकृतं सम्पूर्णम्)

खण्ड—ख

दसवेआलियं (दशवैकालिक 1-15 पाठ)

हिन्दी कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

आंग्लभाषा कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

पाली-

पूर्णांकाः-100

क) दीघनिकायो (पठमो भागो)- ब्रम्हजालसुत्तं

ख) धम्मपदं- पण्डितवग्गो, ब्राम्हणवग्गो, भिक्खुवग्गो, बुद्धग्गो

ग) व्याकरणं- सन्धिः, तद्धितः, कृदन्तश्च

नेपाली –

पूर्णांकाः-100

पाठ्यग्रन्थ-

1. नेपाली गद्य चन्द्रिका भाग-2

2. पौराणिक कहानी

3. सहनशीला सुशीला

सहायकग्रन्थ-

1. नेपाली साहित्यिको विवेचना

2. नेपाली भाषा र साहित्य

3. अनुवाद चन्द्रिका, भाग-4

1. व्याख्या

2. लेखक परिचय

3. अनुवाद संस्कृतबाट

4. अनुवाद नेपालीबाट संस्कृत

5. सहायक ग्रन्थबाट

6. पाठयांशबाट प्रश्न

प्राकृतम् –

पूर्णांकाः-100

क) रचनानुवादः व्याकरणं च (प्राकृत स्वयं शिक्षक 64-89 पाठाः)

ख) प्राकृत-गद्यपद्यपाठाः (प्राकृत प्रवेशिका, बूलनर, भाग-2, पाठ- 1, 2, 9)

इतिहासः कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

राजनीतिशास्त्रम् कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

समाजशास्त्रम् कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

गृहविज्ञानम् कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

शिक्षाशास्त्रम् कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

गणितम् कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

अर्थशास्त्रम् कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्)

पूर्णांकाः-100

| | | | |
|--------------------|----------|--------------------------|----------------|
| कम्प्यूटरविज्ञानम् | कक्षा-12 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| भूगोलः | कक्षा-12 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| तुलनात्मकदर्शनम् | | | पूर्णांकाः-100 |

पाठ्यपुस्तकैः-

1. पाश्चात्य तर्क विद्या (आगमन विधि) लेखक- प्रो. भोलानाथ राय
2. पाश्चात्य तर्कशास्त्र (आगमन विधि) लेखक- भिक्षु जगदीश कश्यप
3. न्याय प्रवेश लेखक- दिङ्नाग
4. भारतीय तर्कबोध ज्ञानमीमांसा लेखक- प्रो. अनिरुद्ध झा

क) पाश्चात्य तर्कशास्त्र-

विषय प्रवेश:- आगमनमूलक पद्धति का इतिहास आगमन की समस्या, वैज्ञानिक आगमन तथा उसकी विशेषताएँ, विभिन्न प्रकार के आगमन-“यथा कथित” आगमन युक्त आगमन की विधि तथा उसके विभिन्न सोपान, आगमन तथा निगमन का सम्बन्ध, आगमन का महत्त्व, उपयोगिता तथा आवश्यकता, आगमनमूलक न्याय-युक्ति।

ख) भारतीय तर्कशास्त्र- बौद्ध दर्शन के तर्कशास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

| | | | |
|---------------------------|----------|--------------------------|----------------|
| कंठसंगीतम् | कक्षा-12 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| वाद्यसंगीतम् (सितार/तबला) | कक्षा-12 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| चित्रकला | कक्षा-12 | (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | पूर्णांकाः-100 |
| इतिहास-पुराण एवं संस्कृति | | | पूर्णांकाः-100 |

1. पौराणिक धर्म एवं संस्कृति
2. पौराणिक कथाएँ

क) 1. वर्णाश्रमधर्म, 2. संस्कार, 3. अवतार, 4. शिक्षा, 5. समाज, 6. परिवार, 7. नारी की दशा।

ख) 1. अमृतमन्थन एवं रत्नोत्पत्ति, 2. जमदग्नि और विश्वामित्र, 3. जड़भरत-का आख्यान, 4. सौभरि-चरित्र, 5. श्रीकृष्ण की बाललीला, 6. कच-देवयानी की कथा, 7. गजेन्द्र-मोक्ष, 8. वृन्दोपाख्यान, 9. नचिकेतोपाख्यान, 10. पुरंजनोपाख्यानम्, 11. कृष्णावतारकथा, 12. सुदामाचरित्र, 13. सावित्री-सत्यवान्कथा, 14. त्रिशंकुचरितम्, 15. इलोपाख्यानम्, 16. अगस्त्योपाख्यानम्, 17. अवधूतोपाख्यानम्, 18. पूतनावधकथा, 19. शिशुपालवधकथा, 20. गोकर्णोपाख्यानम्, 21. दक्षयज्ञविध्वंस कथा, 22. स्यमन्तकमणि की कथा, 23. मुचुकुन्द की कथा, 24. यदुकुलसंहार का आख्यान, 25. विन्ध्योपाख्यानम्।

ग) 1. इन्द्र, 2. इन्द्रद्युम्न, 3. कद्रू और विनता, 4. कालयवन, 5. जनक, 6. साम्ब, 7. धुन्धुमारा।

पौरोहित्यम् -

पूर्णांकाः-100

1. यज्ञप्रायश्चित्तविधिः
2. यज्ञमण्डपपूजनविधिः
3. अन्नप्राशन-चौलसंस्कारविधिः
4. उपनयन-वेदारम्भ-समावर्तनसंस्कारविधिः
5. पार्वणश्राद्धविधिः

(17-) योग विज्ञान।

पूर्णांकाः-70

उत्तरमध्यमा- द्वितीय (विज्ञानवर्गः)

संस्कृतशास्त्रम् : प्राच्यविज्ञानम् 100

क) आर्यभटीयम् (गोलपादः 1-20 श्लोकपर्यन्तम्)

- 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५
- 2) श्लोकपूर्तिः- ४X२.५=१०

ख) बृहत्संहिता (दकार्गलाध्यायः 1- 30 श्लोकपर्यन्तम्, अवशिष्टस्याध्यायस्य द्रुतपाठः)

- 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५

| | | |
|---|-----------------------------------|-----|
| 2) श्लोकपूर्ति:- ४X२-५=१० | | |
| ग) अष्टाङ्गहृदयम् | | |
| (सूत्रस्थाने द्रव्यद्रव्यविज्ञानीयाख्ये पञ्चमाध्याये तोयवर्गः क्षीरवर्गश्च 1- 41 श्लोकपर्यन्तम्) | | |
| 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५ | | |
| 2) श्लोकपूर्ति:- ४X२-५=१० | | |
| घ) खगोलीययन्त्राणि वेधशालाश्च- | | |
| नाडीवलययन्त्रम्, याम्योत्तरीयतुरीययन्त्रम्, सम्राट्पलभायन्त्रम्, शंखयन्त्रम्, चक्रयन्त्रम्, क्रान्तिवृत्तयन्त्रम्, तारामण्डलः, जयपुरवेधशाला, काशी-वेधशाला, जन्तर-मन्तर-वेधशाला (दिल्ली) | | |
| 1) टिप्पण्यः- २X१२.५=२५ | | |
| हिन्दी | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| आंग्लभाषा | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| भौतिकविज्ञानम् | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| रसायनविज्ञानम् | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| गणितम्/जीवविज्ञानम् | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |

उत्तरमध्यमा- द्वितीय

(वाणिज्यवर्गः)

| | | |
|---|-----------------------------------|-----|
| संस्कृतशास्त्रम् : प्राच्यवाणिज्यम् | | 100 |
| क) शुक्रनीतिः (चतुर्थाध्याये कोशनिरूपणप्रकरणे 66-128 श्लोकपर्यन्तम्) | | |
| 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५ | | |
| 2) विषयगतप्रश्नाः- ५X२=१० | | |
| ख) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (व्यवहाराध्याये 114-181 श्लोकपर्यन्तम्) | | |
| 1) श्लोकव्याख्या- २X७.५=१५ | | |
| 2) विषयगतप्रश्नाः- ५X२=१० | | |
| ग) कौटिलीय-अर्थशास्त्रम् | | |
| (औपनिधिकम्- प्रकरणम्-68, अध्यायः-12, कर्मकरप्रकल्पः- प्र--70, अ--14, कारुकरक्षणम्- प्र--76, अ--1, वैदेहकप्रकरणम्- प्र--77, अ--2) | | |
| 1) वाक्यखण्डव्याख्या- २X७.५=१५ | | |
| 2) विषयगतप्रश्नाः- ५X२=१० | | |
| घ) पाणिनिकालीन भारतवर्ष- वासुदेवशरण अग्रवाल | | |
| पाठ्यक्रमे निर्धारितोऽंशः- | | |
| चतुर्थोऽध्यायः- आर्थिक दशा | | |
| 1) विषयगतप्रश्नाः- ५X५=२५ | | |
| हिन्दी | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| आंग्लभाषा /कम्प्यूटर | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| लेखाशास्त्र | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| व्यवसाय अध्ययन | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |
| अर्थशास्त्र / गणित | कक्षा-12 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) | 100 |

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

| | | |
|-----------------------------|----------------------------------|--------------|
| 1. पौरोहित्य (कर्मकाण्ड) | (उ0प्र0मा0 संस्कृत शिक्षा परिषद) | पूर्णांक—100 |
| 2. व्यावहारिक वास्तुशास्त्र | (उ0प्र0मा0 संस्कृत शिक्षा परिषद) | पूर्णांक—100 |
| 3. व्यावहारिक ज्योतिष | (उ0प्र0मा0 संस्कृत शिक्षा परिषद) | पूर्णांक—100 |
| 4. योग विज्ञानम् | (उ0प्र0मा0 संस्कृत शिक्षा परिषद) | पूर्णांक—100 |
| 5. इन्टर्नशिप परीक्षा | (उ0प्र0मा0 संस्कृत शिक्षा परिषद) | पूर्णांक—100 |

नोट :- विस्तृत पाठ्यक्रम परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

**पाठ्यक्रम का माहवार नियोजन—
अनिवार्य संस्कृत पूर्व मध्यमा—प्रथम**

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|--|---|
| अप्रैल | नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 01 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| मई | नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 02 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 03 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा अनुष्टुप् छन्द तथा रचनानुवादकौमुदी में 04 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 1-05 श्लोक तथा आर्या छन्द तथा रचनानुवादकौमुदी में 05-06 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 06-10 श्लोक तथा इन्द्रवज्रा तथा रचनानुवादकौमुदी में 07-08 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 11-15 श्लोक तथा उपेन्द्रवज्रा तथा रचनानुवादकौमुदी में 08-09 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 16-25 श्लोक तथा भुजंगप्रयातम् तथा रचनानुवादकौमुदी में 09-10 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | नीतिसंग्रह मित्रलाभ/रघुवंशमहाकाव्य पुनराभ्यास: तथा रचनानुवादकौमुदी में 11-12 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विषयों का पुनः अभ्यास कराना। |
| फरवरी | नीतिसंग्रह मित्रलाभ/रघुवंशमहाकाव्य पुनराभ्यास: तथा रचनानुवादकौमुदी में 13-15 अभ्यास | शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विषयों का पुनः अभ्यास कराना। |

(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---|---|
| अप्रैल | लघुसिद्धान्तकौमुदी में संज्ञाप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| मई | लघुसिद्धान्तकौमुदी में अच्सन्धि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | लघुसिद्धान्तकौमुदी में हल्सन्धि, प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | लघुसिद्धान्तकौमुदी में विसर्गसन्धि अजन्तपुल्लिंग प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में अजन्तस्त्रीलिंग, प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में अजन्त नपुंसकलिंग | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्तपुल्लिंग | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्तस्त्रीलिंग, | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्त नपुंसकलिंग प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | लघुसिद्धान्तकौमुदी में अव्ययप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |

अनिवार्य संस्कृतम् (तर्कसंग्रह)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|--------|---------------------------------|--|
| अप्रैल | मंगलाचरण | ग्रन्थकार का परिचय तथा तर्कसंग्रह सम्बन्धित विस्तृत भूमिका समझाना एवं लिखाना अनिवार्य है। |
| मई | उद्देश्यप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा पदार्थ और द्रव्य की परिभाषाओं तथा भेद प्रभेद पदकृत्य का ज्ञान कराना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | उद्देश्यप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा गुण विभाजन कर्म भेद सामान्य भेद विशेष समवाय अभाव की परिभाषाएँ और पदकृत्य हिन्दी अर्थ की विस्तृत जानकारी कराना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|---------------------|--|
| अगस्त | द्रव्यलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा पृथिवी, जल, तेज, वायु का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | द्रव्यलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा आकाश, काल, दिशा, आत्मा, मन का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | गुणलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा रूप, रस, गन्ध, स्पर्श, पाकज का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | गुणलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा संख्या, परिमाण, पृथक्त्व, संयोग, विभाग का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | गुणलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा परत्वापरत्व, गुरुत्व, द्रवत्व, स्नेह, शब्द, बुद्धि, स्मृति का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | गुणलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा अनुभव, करण, कारण, प्रत्यक्षज्ञान, के भेद प्रभेद पदकृत्य सम्यक् प्रकार हिन्दी माध्यम संस्कृत माध्यम से पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | गुणलक्षणप्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा अनुभव, करण, कारण, प्रत्यक्षज्ञान, के भेद प्रभेद पदकृत्य सम्यक् प्रकार हिन्दी माध्यम संस्कृत माध्यम से पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |

नव्यव्याकरणम्

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---------------------------------|--|
| अप्रैल | संज्ञा प्रकरणम् | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| मई | सन्धि प्रकरणम् (अच् सन्धि) | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। ग्रीष्मावकाश |
| जुलाई | हल् सन्धि | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| अगस्त | विसर्ग सन्धि | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | अजन्तपुल्लिंग | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | अजन्त स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | हलन्त पुल्लिंग | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|-------------------|--|
| दिसम्बर | हलन्त स्त्रीलिंग, | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| जनवरी | हलन्त नपुंसक | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |
| फरवरी | अव्ययप्रकरणम | सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रूप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है। |

साहित्यम्

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|--|--|
| अप्रैल | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा रघुवंश एवं कुमारसम्भव के रचयिता तथा उनका जीवन परिचय एवं काव्य परिचय काव्यविधा खण्ड अलंकारों का ज्ञान कराना अनिवार्य है। |
| मई | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 05 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 10 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 15 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |

| | | |
|-------|--|--|
| फरवरी | कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक-एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 10 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
|-------|--|--|

पूर्व मध्यमा-द्वितीय अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड क)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|--|--|
| अप्रैल | मूलरामायण प्रथम सर्ग में 1-10 श्लोक तथा द्रुतविलम्बितम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 16-17 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| मई | मूलरामायण प्रथम सर्ग में 11-20 श्लोक तथा मन्दाक्रान्ता छन्द रचनानुवादकौमुदी से 18-19 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 06 गद्यखण्ड तथा शिखरिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 20-21 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 07-12 गद्यखण्ड तक तथा शार्दूलविक्रीडितम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 22-23 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 13-18 गद्यखण्ड तक तथा मालिनी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 23-24 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 19-24 तथा तोटकम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 25-26 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 25-30 गद्यखण्ड तक तथा प्रहर्षिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 27-28 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|---|--|
| दिसम्बर | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 31-36 गद्यखण्ड तक तथा हरिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 29-30 अभ्यास तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 31-36 गद्यखण्ड तक | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | मूलरामायण छन्द रचनानुवाद | शिक्षकों द्वारा पुनराभ्यास कराया जाए। |

अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड ख)
(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|------------------------------------|---|
| अप्रैल | भ्वादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| मई | भ्वादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | अदादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | अदादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | जुहोत्यादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | दिवादि प्रकरण तथा स्वादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | तुदादि प्रकरण तथा रुधादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | तनादि प्रकरण तथा क्र्यादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | चुरादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | चुरादि प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |

अनिवार्य संस्कृतम् (तर्कसंग्रह)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---------------------------------|--|
| अप्रैल | अनुमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है। |
| मई | अनुमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | अनुमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | अनुमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | उपमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरूप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | उपमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरूप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | उपमान परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरूप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | शब्द परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा शब्द परिच्छेद को सम्यक् प्रकार से लिखाना पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | शब्द परिच्छेद | शिक्षकों द्वारा शब्द परिच्छेद को सम्यक् प्रकार से लिखाना पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | अवशिष्ट भाग | शिक्षकों द्वारा अवशिष्ट भाग की विस्तृत जानकारी देना अनिवार्य है। |

नव्यव्याकरणम्

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|--------|---------------------------------|--|
| अप्रैल | स्त्रीप्रत्यय प्रकरण | शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है। |
| मई | स्त्रीप्रत्यय प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |

| | | |
|---------|---|--|
| जुलाई | कारक प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है। |
| अगस्त | कारक प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | अव्ययीभाव समास प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | तत्पुरुष समास प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | तत्पुरुष समास प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | बहुव्रीहि समास प्रकरण द्वन्द्व समास प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | एकशेष समास प्रकरण, सर्वसमासशेष समास प्रकरण, सर्वसमासान्त प्रकरण | शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है। |
| फरवरी | अलुक् समास प्रकरण, समासाश्रय विधि प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है। |

साहित्यम्

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---------------------------------|---|
| अप्रैल | चन्द्रालोकः (प्रथम मयूख) | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का परिचय एवं मयूख में लिखे गये 16 श्लोकों का रहस्य तथा पद पदार्थ बोध कराना अनिवार्य है। |
| मई | चन्द्रालोकः (द्वितीय मयूख) | शिक्षकों द्वारा साहित्य के सम्पूर्ण दोषों के नाम तथा उनकी परिभाषा समझाना और श्लोकों में घटाकर दर्शाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | चन्द्रालोकः (तृतीय मयूख) | शिक्षकों द्वारा अक्षर संहिता, शोभा, अभिमान, हेतु, प्रतिशेध, निरुक्त, मिथ्याध्यवसाय, सिद्धि, युक्ति, कार्य, उपसंहार, के विषय में स्पष्ट रूप से समझाना। |
| अगस्त | चन्द्रालोकः (चतुर्थ मयूख) | शिक्षकों द्वारा श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, सौकुमार्य, उदारता इत्यादि गुणों के परिभाषायें अवगत कराना तथा बोध कराना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | चन्द्रालोकः (पंचम मयूख) | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अलंकारों के लक्षण उदाहरणों को समझाना। |
| अक्टूबर | चन्द्रालोकः | शिक्षकों द्वारा विभावादि का कारण रसों के स्वरूप तथा उनके स्थाई भावादि को स्पष्टीकरण कराना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|------------------------------|---|
| | (षष्ठ मयूख) | |
| नवम्बर | चन्द्रालोकः (सप्तम् मयूख) | शिक्षकों द्वारा व्यंजनादि स्वरूपादि ध्वनियों के भेदों को ज्ञान कराना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | चन्द्रालोकः (अष्टम् मयूख) | शिक्षकों द्वारा व्यंजनादि स्वरूपादि ध्वनियों के भेदों को ज्ञान कराना अनिवार्य है। |
| जनवरी | चन्द्रालोकः (नवम् मयूख) | शिक्षकों द्वारा लक्षणा स्वरूप भेद उपभेद तथा अभिधा लक्षण और अभिधा के 06 प्रकारों के भेदों को निरूपित करना अनिवार्य है। |
| फरवरी | चन्द्रालोकः (दशम् मयूख) | शिक्षकों द्वारा लक्षणा स्वरूप भेद उपभेद तथा अभिधा लक्षण और अभिधा के 06 प्रकारों के भेदों को निरूपित करना अनिवार्य है। |

उत्तर मध्यमा—प्रथम अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड क)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---|---|
| अप्रैल | किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग 10 श्लोक तक रचनानुवादकौमुदी से 31 से 32 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| मई | किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग 11से 25 श्लोक तक रचनानुवादकौमुदी से 33 से 34 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् प्रारम्भ से लेकर 15 श्लोक पर्यन्त रचनानुवादकौमुदी से 35 से 36 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् प्रारम्भ से 50 वाक्य शुद्धि रचनानुवादकौमुदी से 37 से 38 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 51 से 70 वाक्य शुद्धि रचनानुवादकौमुदी से 39 से 40 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 71 से 80 वाक्य शुद्धिरचनानुवादकौमुदी से 41 से 42 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 81 से 100 वाक्य शुद्धिरचनानुवादकौमुदी से 43 से 45 वाँ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|------------|--|
| दिसम्बर | अलंकार | शिक्षकों द्वारा अलंकार की परिभाषा बताना अनिवार्य है। |
| जनवरी | शब्दालंकार | शिक्षकों द्वारा अलंकारों की परिभाषा बताना अनिवार्य है। |
| फरवरी | अर्थालंकार | शिक्षकों द्वारा अलंकारों की परिभाषा बताना अनिवार्य है। |

अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड ख)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|--|---|
| अप्रैल | लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्यन्तप्रक्रिया | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| मई | लघुसिद्धान्तकौमुदी में सनन्तप्रकरण तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | लघुसिद्धान्तकौमुदी में यङन्तप्रकरण प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | लघुसिद्धान्तकौमुदी में कण्डवादि प्रकरण तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में आत्मनेपद प्रक्रिया से परस्मैपद प्रक्रिया प्रकरण | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में भावकर्म प्रक्रिया से लकारार्थ प्रक्रिया प्रकरण तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में कृदन्ते कृत्यप्रक्रिया | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में पूर्वकृदन्त | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | लघुसिद्धान्तकौमुदी में उत्तरकृदन्त | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | लघुसिद्धान्तकौमुदी में उत्तरकृदन्त | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |

अनिवार्य संस्कृतम्
खण्ड ख – (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|------------------------------------|---|
| अप्रैल | मंगलाचरण | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय संक्षिप्त भूमिका लिखाना पढ़ाना अनिवार्य है। |
| मई | मंगलाचरण कारिकावली मंगलवाद | शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण की कारिका मंगलवाद के विषय में प्राच्य एवं नव्य मत समझाना लिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | ईश्वरास्तित्ववादः, पदार्थविभाग, | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | कारिका संख्या 1-10 तक | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | कारिका संख्या 10-20 | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | कारिका संख्या 10-20 | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | कारिका संख्या 20-30 | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | कारिका संख्या 20-30 | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | कारिका संख्या 30-34 | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | कारिका संख्या 34-38 | शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है। |

नव्यव्याकरणम्
(खण्ड क)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|--------|--------------------|--|
| अप्रैल | अपत्याधिकार प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|---------------------------------|--|
| मई | अपत्याधिकार प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | शैषिक प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| अगस्त | शैषिक प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| सितम्बर | शैषिक प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | शैषिक प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| नवम्बर | मत्वर्थीय प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | मत्वर्थीय प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| जनवरी | मत्वर्थीय प्रकरण | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| फरवरी | शैषिक/मत्वर्थीय प्रकरण | सभी पढ़ाये हुए प्रकरणों का पुनराभ्यास। |

नव्यव्याकरणम् (खण्ड ख)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---------------------------------|---|
| अप्रैल | भ्वादिप्रकरणम् (100 धातुएं) | शिक्षकों द्वारा दशों लकारों का विस्तृत ज्ञान कराना अनिवार्य है। |
| मई | भ्वादिप्रकरणम् (150 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | भ्वादिप्रकरणम् (150 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | भ्वादिप्रकरणम् (305 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | भ्वादिप्रकरणम् (305 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|---|---|
| अक्टूबर | अदादिप्रकरणम् (36 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | अदादिप्रकरणम् (18 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | अदादिप्रकरणम् (18 धातुएं) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | जुहोत्यादिप्रकरणम् (सम्पूर्ण प्रकरण) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | जुहोत्यादिप्रकरणम् (सम्पूर्ण प्रकरण) | शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है। |

साहित्यम् (खण्ड क)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|--|--|
| अप्रैल | दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका प्रथमोच्छवास | शिक्षकों द्वारा दशकुमारचरितम् के रचयिता तथा जीवन परिचय एवं काव्य समीक्षा परिचय तथा गद्य का उच्चारण, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| मई | दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका द्वितीयोच्छवास, | शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका, तृतीयोच्छवास | शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका चतुर्थोच्छवास, पंचमोच्छवास | शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका पंचमोच्छवास | शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग | शिक्षकों द्वारा ग्रन्थ के ग्रन्थकार तथा उनका परिचय तथा रघुवंश की विशेषता प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|----------------------------------|---|
| दिसम्बर | रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग | शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | दशकुमारचरितम् / रघुवंशमहाकाव्यम् | सभी शिक्षक पढ़ाये गये विषयों का पुनराभ्यास कराये। |

साहित्यम् (खण्ड ख)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|--|--|
| अप्रैल | तर्कसंग्रह प्रत्यक्ष खण्ड “न्यायबोधनी” (मंगल श्लोक से द्रव्यलक्षण पर्यन्त) | शिक्षकों द्वारा तर्कसंग्रह के रचयिता जीवन परिचय तथा उनकी कृतियों एवं लक्षण परिभाषाओं को समझाना तथा उनके परिकृत्य और न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना अनिवार्य है। |
| मई | गुण लक्षण से (पृथ्वीनिरूपण लक्षण पर्यन्त) | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाये गये विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | (अव्याप्त्यतिव्याप्त्यसम्भव-लक्षण से तेजोनिरूपणम्, लक्षण पर्यन्त) | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | वायु निरूपणम् लक्षण से कालनिरूपण लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | दिक् निरूपणम्, लक्षण से स्पर्शः लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | पाकविचारः लक्षण से पृथक्त्वम् लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | संयोग विभागौ लक्षण से द्रवत्वम् लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | संयोग विभागौ लक्षण से द्रवत्वम् लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | स्नेह लक्षण से बुद्धिनिरूपणम् लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |

| | | |
|-------|--|---|
| फरवरी | स्नेह लक्षण से बुद्धिनिरूपणम् लक्षण पर्यन्त | शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है। |
|-------|--|---|

अनिवार्य संस्कृतम्
उत्तर मध्यमा—द्वितीय
(खण्ड क)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---|--|
| अप्रैल | स्वप्नवासवदत्तम् प्रथम अंक, रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| मई | स्वप्नवासवदत्तम् द्वितीय अंक अलंकारसार मंजरी से उपमा अलंकार रूपकम् रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | स्वप्नवासवदत्तम् तृतीय अंक अलंकारसार मंजरी से उत्प्रेक्षा अलंकार दृष्टान्त अलंकार रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| अगस्त | स्वप्नवासवदत्तम् चतुर्थ अंक रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| सितम्बर | स्वप्नवासवदत्तम् पंचम अंक रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | स्वप्नवासवदत्तम् षष्ठ अंक रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| नवम्बर | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 21 से 40 श्लोक पर्यन्तम् रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|---|--|
| दिसम्बर | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 101 से लेकर के 110 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| जनवरी | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 111 से लेकर के 130 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |
| फरवरी | गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 131 से लेकर के 140 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वॉ अभ्यास | शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है। |

अनिवार्य संस्कृतम् (खण्ड ख)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---|---|
| अप्रैल | लघुसिद्धान्तकौमुदी से विभक्त्यर्थ प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| मई | लघुसिद्धान्तकौमुदी में समासप्रकरणम् से लेकर द्वन्द्व समासप्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | लघुसिद्धान्तकौमुदी में समासान्त प्रकरणम् से लेकर चातुरर्थिक प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | लघुसिद्धान्तकौमुदी में शेषिक प्रकरणम् से लेकर टगाधिकार प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में यदधिकार प्रकरणम् से लेकर भवनाद्यर्थक प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में मत्वर्थीय प्रकरणम् से लेकर प्राग्दिशीय प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में मत्वर्थीय प्रकरणम् से लेकर प्राग्दिशीय प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्रागिवीय प्रकरणम् से लेकर स्वार्थिक प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्रागिवीय प्रकरणम् से लेकर स्वार्थिक प्रकरणम् तक | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | लघुसिद्धान्तकौमुदी में स्त्रीप्रत्यय प्रकरणम् | शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है। |

| | | |
|---------|---|--|
| अगस्त | भावकर्मतिङ् प्रकरणम् कर्मकतृतिङ् प्रकरणम् लकारार्थ प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| सितम्बर | ऋदन्तेकृत्य प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | ऋदन्तेकृत्य प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| नवम्बर | पूर्वकृदन्त प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | पूर्वकृदन्त प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| जनवरी | उत्तरकृदन्त प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |
| फरवरी | उत्तरकृदन्त प्रकरणम् | शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है। |

साहित्यम् (खण्ड क)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---------------------------------|--|
| अप्रैल | काव्यमीमांसा प्रथम अध्याय | शिक्षकों द्वारा काव्यमीमांसा के रचयिता तथा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| मई | काव्यमीमांसा द्वितीय अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | काव्यमीमांसा तृतीय अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| अगस्त | काव्यमीमांसा चतुर्थ अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | काव्यमीमांसा पंचम अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | वृत्तरत्नाकर प्रथम अध्याय | शिक्षकों द्वारा वृत्तरत्नाकर के रचयिता तथा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | वृत्तरत्नाकर प्रथम अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | वृत्तरत्नाकर द्वितीय अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---|
| जनवरी | वृत्तरत्नाकर | द्वितीय अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |
| फरवरी | वृत्तरत्नाकर | तृतीय अध्याय | शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रूप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है। |

साहित्यम् (खण्ड ख)

| माह | इकाई क्रमांक | विवरण |
|---------|---------------------------------|---|
| अप्रैल | किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग | शिक्षकों द्वारा किरातार्जुनीयम् के रचयिता तथा जीवन परिचय एवं काव्य समीक्षा परिचय तथा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| मई | किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| जून | 20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश | पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना। |
| जुलाई | किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| अगस्त | किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| सितम्बर | किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| अक्टूबर | किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| नवम्बर | किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| दिसम्बर | किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| जनवरी | किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |
| फरवरी | किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग | शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है। |

भारत के राष्ट्र गीत के सम्बन्ध में आदेश

भारत का राष्ट्र गीत विभिन्न अवसरों पर गाया अथवा बजाया जाता है। राष्ट्र गीत के आधिकारिक संस्करण, उन अवसरों जिन पर इस गीत को गाया अथवा बजाया जाए तथा ऐसे अवसरों पर उचित शिष्टाचार का पालन करके राष्ट्र गीत के प्रति सम्मान करने की आवश्यकता के बारे में सामान्य जानकारी और मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित निर्देश जारी किए जा रहे हैं:

1- राष्ट्र गीत—आधिकारिक संस्करण —

(1.) श्री बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम्' को 'राष्ट्र गीत' के रूप में जाना जाता है। राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' के बोल इस प्रकार हैं:

वन्दे मातरम्।

सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रमुदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।

कोटि—कोटि कण्ठ कल—कल निनाद कराले,
कोटि—कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणी नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणी मातरम्। वन्दे मातरम्।

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे, बाहुले तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति, तोमारई प्रतिमा गडि मन्दिरे—मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलाम् सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।

(2) राष्ट्र गीत को गाने अथवा बजाने का समय लगभग 3 मिनट 10 सेकेंड है।

11. राष्ट्र गीत का वादन

(1) राष्ट्र गीत का आधिकारिक संस्करण, निम्नलिखित अवसरों पर बजाया जाएगा :-

(I) सिविल सम्मान समारोहों के अवसर पर:

(II) औपचारिक राजकीय समारोहों तथा सरकार द्वारा आयोजित अन्य समारोहों में राष्ट्रपति के आने पर तथा ऐसे समारोहों से उनके जाते समय:

(III) आकाशवाणी तथा दूरदर्शन से राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति के संदेश प्रसारित किए जाने से पहले और बाद में,

(IV) राज्यपाल/उप राज्यपाल के अपने राज्य/संघ शासित क्षेत्र में औपचारिक राजकीय समारोहों में आने पर और ऐसे समारोहों से उनके जाते समय,

(V) जब राष्ट्रीय झण्डे को परेड में लाया जाए।

(2) (I) जब कभी राष्ट्र गीत का गायन अथवा वादन हो तब श्रोतागण सावधान होकर खड़े रहें। किन्तु जब समाचार दर्शन अथवा वृत्त चित्र के दौरान राष्ट्र गीत फिल्म के अंश के रूप में बजाया जाता है तो दर्शकों से खड़े होने की अपेक्षा नहीं की जाती क्योंकि खड़े होने से राष्ट्र गीत के गौरव में वृद्धि होने की अपेक्षा फिल्म के प्रदर्शन में बाधा पड़ती है और अशांति तथा गड़बड़ उत्पन्न होती है।

(II) जब राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान दोनों गाए या बजाए जाएं, तो राष्ट्र गीत पहले गाया या बजाया जाएगा।



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

कार्यालय निरीक्षक संस्कृत पाठशालाय उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

“प्रवर्ततां राष्ट्र हिताय संस्कृतम्”

संस्कृत विद्यालयीय अवकाश तालिका वर्ष-2026



जनवरी - 2026

- 3 जनवरी 2026 शनिवार - हजरत अली जन्मदिवस
- 4 जनवरी 2026 रविवार - प्रतिपदा
- 5 जनवरी 2026 सोमवार - गुरुगोविन्द सिंह जयंती
- 6 जनवरी 2026 मंगलवार - संकष्टी गणेश चतुर्थी
- 11 जनवरी 2026 रविवार - अष्टमी
- 14 जनवरी 2026 बुधवार - मकर संक्राति
- 18 जनवरी 2026 रविवार - मौनी अमावस्या
- 19 जनवरी 2026 सोमवार - प्रतिपदा
- 23 जनवरी 2026 शुक्रवार - बसन्त पंचमी
- 24 जनवरी 2026 शनिवार - जननायक कर्पूरी ठाकुर जयंती
- 25 जनवरी 2026 रविवार - अदला सप्तमी
- 26 जनवरी 2026 सोमवार - मणलत्र दिवस / अष्टमी

फरवरी - 2026

- 1 फरवरी 2026 रविवार - माघी पूर्णिमा / संतरविदास जयंती
- 2 फरवरी 2026 सोमवार - प्रतिपदा
- 9 फरवरी 2026 सोमवार - अष्टमी
- 15 फरवरी 2026 रविवार - महाशिवरात्रि
- 18 फरवरी 2026 बुधवार - प्रतिपदा
- 24 फरवरी 2026 मंगलवार - अष्टमी
- 27 फरवरी 2026 शुक्रवार रंगभरी एकादशी
- 28 फरवरी से 3 मार्च - होलिकोत्सव अवकाश

मार्च - 2026

- 4 मार्च 2026 बुधवार - प्रतिपदा
- 11 मार्च 2026 बुधवार - अष्टमी
- 20 मार्च 2026 शुक्रवार - प्रतिपदा / नवसंवत सर/ झूलोलाल जयंती
- 21 मार्च 2026 शनिवार - ईद-उल-फितर
- 26 मार्च 2026 गुरुवार - अष्टमी
- 27 मार्च 2026 शुक्रवार - रामनवमी
- 31 मार्च 2026 मंगलवार - महावीर जयंती

अप्रैल - 2026

- 3 अप्रैल 2026 शुक्रवार - प्रतिपदा / गड फ्राईडे
- 5 अप्रैल 2026 रविवार - महर्षिकृष्ण / महाराजा निषादराज गुप्त जयंती
- 10 अप्रैल 2026 शुक्रवार - अष्टमी
- 14 अप्रैल 2026 मंगलवार - डॉ० भीमराव अम्बेडकर जयंती / मेघ संक्रान्ती
- 18 अप्रैल 2026 शनिवार - प्रतिपदा
- 19 अप्रैल 2026 रविवार - परशुराम जयंती
- 20 अप्रैल 2026 सोमवार - अक्षय तृतीया
- 24 अप्रैल 2026 शुक्रवार अष्टमी

मई - 2026

- 1 मई 2026 शुक्रवार - बुद्ध पूर्णिमा
- 2 मई 2026 शनिवार - प्रतिपदा
- 9 मई 2026 शनिवार - लोकनायक महाराणा प्रताप जयंती
- 10 मई 2026 रविवार - अष्टमी
- 17 मई 2026 रविवार - प्रतिपदा
- 21 मई से 30 जून - ग्रीष्मावकाश

जुलाई - 2026

- 8 जुलाई 2026 बुधवार - अष्टमी
- 15 जुलाई 2026 बुधवार - प्रतिपदा
- 22 जुलाई 2026 बुधवार - अष्टमी
- 25 जुलाई 2026 शनिवार - हरिशयनी एकादशी
- 29 जुलाई 2026 बुधवार - गुरु पूर्णिमा
- 30 जुलाई 2026 गुरुवार - प्रतिपदा

अगस्त - 2026

- 6 अगस्त 2026 गुरुवार - अष्टमी
- 13 अगस्त 2026 गुरुवार - प्रतिपदा
- 15 अगस्त 2026 शनिवार - स्वतंत्रता दिवस
- 17 अगस्त 2026 सोमवार - नाग पंचमी
- 20 अगस्त 2026 गुरुवार - अष्टमी
- 26 अगस्त 2026 बुधवार - बारावफात (ईद-ए-मिलाद)
- 28 अगस्त 2026 शुक्रवार - रक्षाबंधन /श्रावणी/संस्कृत दिवस
- 29 अगस्त 2026 शनिवार - प्रतिपदा

सितम्बर - 2026

- 4 सितम्बर 2026 शुक्रवार - श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
- 11 सितम्बर 2026 शुक्रवार - स्नानदान / कुशोत्पादिनी अमावस्या
- 12 सितम्बर 2026 शनिवार - प्रतिपदा
- 15 सितम्बर 2026 मंगलवार - ऋषि पंचमी
- 17 सितम्बर 2026 गुरुवार - विश्वकर्मा जयंती
- 19 सितम्बर 2026 शनिवार - अष्टमी
- 25 सितम्बर 2026 शुक्रवार - अनन्त चतुर्थी
- 26 सितम्बर 2026 शनिवार - महालयारम्भ
- 27 सितम्बर 2026 रविवार - प्रतिपदा

अक्टूबर - 2026

- 2 अक्टूबर 2026 शुक्रवार - गौधी जयन्ती
- 4 अक्टूबर 2026 रविवार - अष्टमी
- 5 अक्टूबर 2026 सोमवार - मातृ नवमी
- 10 अक्टूबर 2026 शनिवार - सर्वपत्री अमावस्या
- 11 अक्टूबर 2026 रविवार - प्रतिपदा
- 12-20 अक्टूबर 2026 सोम-मंगल - शारदीय नवरात्रि/दशहरा अवकाश
- 26 अक्टूबर 2026 सोमवार - महर्षि बाल्मीकि जयंती / शरद पूर्णिमा
- 27 अक्टूबर 2026 मंगलवार - प्रतिपदा

नवम्बर - 2026

- 2 नवम्बर 2026 सोमवार - अष्टमी
- 6 नवम्बर 2026 शुक्रवार - धनवन्तरि पूजा
- 7 नवम्बर 2026 शनिवार - नरक चतुर्थी
- 8 नवम्बर 2026 रविवार - बीगावली अवकाश
- 9 नवम्बर 2026 सोमवार - सोमवती अमावस्या
- 10 नवम्बर 2026 मंगलवार - प्रतिपदा / गोकर्ण पूजा
- 11 नवम्बर 2026 बुधवार - भैयाभूज / चित्रगुप्त जयंती
- 15 नवम्बर 2026 रविवार - छठ पूजा
- 17 नवम्बर 2026 मंगलवार - अष्टमी
- 18 नवम्बर 2026 बुधवार - अक्षय नवमी
- 20 नवम्बर 2026 शुक्रवार - हरिप्रकोपिनी एकादशी
- 24 नवम्बर 2026 मंगलवार - गुरु नानक जयंती/कार्तिक पूर्णिमा/ गुरुदेगबहादुर शाहीद दिवस
- 25 नवम्बर 2026 बुधवार - प्रतिपदा

दिसम्बर - 2026

- 1 दिसम्बर 2026 मंगलवार - अष्टमी
- 9 दिसम्बर 2026 बुधवार - प्रतिपदा
- 17 दिसम्बर 2026 गुरुवार - अष्टमी
- 25 दिसम्बर 2026 शुक्रवार - क्रिसमस-डे / प्रतिपदा

(केवल महिलाओं के लिए)

- 16 मई 2026 शनिवार - वट सावित्री पूजा
 - 31 अगस्त 2026 सोमवार - बहुला चौथ
 - 2 सितम्बर 2026 बुधवार - ललही छठ
 - 14 सितम्बर 2026 सोमवार - हरितालिका व्रत
 - 29 अक्टूबर 2026 गुरुवार - करवा चौथ
- उक्त अवकाश व्रत रखने वाली महिलाओं को उनके प्रार्थना पत्र के आधार पर सम्बन्धित विद्यालय के प्राचार्य / प्रधानाचार्य द्वारा अनुमत्य किया जायेगा।

संस्थाओं के लिए विशेष निर्देश :-

- वर्ष 2026 अवकाश / अष्टमी/प्रतिपदा/अन्य अवकाश/ग्रीष्मा अवकाश कुल 144 दिनों का होगा। शैक्षिक दिवस पूरे सत्र कम से कम 220 दिनों का होना अनिवार्य है।
- ग्रीष्मावकाश 21 मई से 30 जून 2026 तक रहेगा।
- 26 जनवरी, 15 अगस्त एवं 2 अक्टूबर राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाये जायेंगे तथा सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- पूरे सत्र में प्रबन्धक / प्रधानाचार्य की स्वेच्छा पर 3 दिनों का अवकाश इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमत्य होगा कि 15 दिन पूर्व इसकी सूचना निरीक्षणालय को अनिवार्य रूप से अवश्य दे दी जाये।
- महाविद्यालय / विद्यालय का समय अप्रैल से सितम्बर प्रातः 7:30 बजे से 12:30 बजे तक तथा शेष मास से प्रातः 9:30 से सायं 3:30 बजे तक रहेगा।
- चन्द्रग्रहण पर दूसरे दिन तथा सूर्यग्रहण एवं सोमवती अमावस्या पर उसी दिन अवकाश होगा।
- रक्षाबंधन / श्रावणी संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जायेगा।
- शासन एवं प्रशासन द्वारा घोषित किये गये अवकाश भी मान्य होंगे।

पवन कुमार श्रीवास्तव

(पी.ई.एस.)

निरीक्षक

संस्कृत पाठशालाय उत्तर प्रदेश

प्रयागराज

